बृहस्पतिवार
15 सितम्बर 2022

पृष्ठ 4

पथरी रोगियों के लिए घातक साबित हो सकता हैं चुकंदर का सेवन

पृष्ठ 5

नेहा मलिक ने फिर बिखेरे हुस्न के जलवे

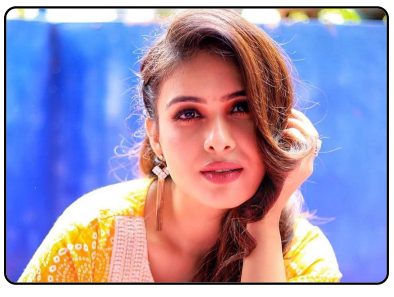

● देहरादून
● वर्ष 30
● अंक 217
● पृष्ठ 8
● मूल्य ₹ 1.00

आज का विचार

कविता वह सुरंग है जिसमें से गुजर कर मनुश्य एक विश्व को छोड़ कर दूसरे विश्व में प्रवेश करता है।

– रामधारी सिंह दिनकर

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक
आर.एन.आई.- 59626/94
email: doonvalley_news@yahoo.com Website: dunvalleymail.com
डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

गलत तरीके से हुई सभी भर्तियां रद्द होंगी: सीएम

विशेष संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड के भर्ती घोटालों को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी युवाओं के साथ हुई बड़ी नाइंसाफी मानते हैं उनका साफ कहना है कि जो भी भर्तियां गलत तरीके से हुई है उन सभी को रद्द किया जाएगा। उनका कहना है कि जांच तेजी से चल रही है और परिणाम भी जल्द आ जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि जब कोई युवा नौकरी के लिए परीक्षा की तैयारी करता है और परीक्षा देता है तो उसकी सोच क्या होती है वह इसे अच्छी तरह से जानते हैं। क्योंकिं उन्होंने खुद की नौकरी के लिए परीक्षाएं दी हैं। उनका कहना है कि भले ही यह भर्तियां उनके कार्यकाल में नहीं हुई है लेकिन राज्य में लंबे समय से भर्तियों में जिस तरह की गड़बड़ी होने की बातें सामने आ रही हैं वह अत्यंत ही दुखद है। यह प्रदेश के पढ़े-लिखे बेरोजगारों के

❑जांच जारी, जल्द आ जाएंगे नतीजे
❑सिविल कोड राज्य हित में जरूरी

साथ बड़ी नाइंसाफी है उनका कहना है कि राज्य में जो भर्तियां गलत तरीके से हुई है उन सभी को रद्द किया जाएगा और भविष्य में ऐसा न हो इसके लिए एक मैकेनिज्म तैयार किया जाएगा।

उनका कहना है कि चाहे यूकेएसएसएससी के माध्यम से की गई भर्तियों का मामला हो या फिर विधानसभा में बैक डोर भर्तियों का, इनकी जांच का काम पूरी तेजी से चल रहा है और इसके नतीजे भी बहुत जल्द सभी के सामने होंगे। उनका कहना है कि विधानसभा में हुई भर्तियों के बारे में उन्होंने खुद विधानसभा अध्यक्ष को पत्र लिखकर कार्रवाई का अनुरोध किया था। उन्होंने जो समिति गठित की है वह बहुत जल्द अपनी रिपोर्ट उन्हें सौंपेगी इसके बाद सरकार इन भर्तियों पर आगे की कार्रवाई पर मंथन करेगी। उन्होंने साफ किया कि अब जब एक प्रक्रिया शुरू हो चुकी है तो इसे रोका नहीं जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उनके द्वारा यूनिफॉर्म सिविल कोड का जो निर्णय लिया गया है वह राज्य के भावी भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा कि उनका उद्देश्य किसी समुदाय विशेष के खिलाफ काम करना नहीं है। बल्कि प्रदेश की सुरक्षा और राज्य के हित में काम करना है। फैसला

◀◀ शेष पृष्ठ 2 पर

बच्चे की मौत ने खोली स्कूलों के हालात व सरकार की कलई

विशेष संवाददाता

देहरादून। चंपावत के मौनकांडा राजकीय प्राथमिक विद्यालय में बीते कल शौचालय की छत गिरने से हुई एक 9 वर्षीय बच्चे की मौत और 5 अन्य के घायल होने की घटना ने राज्य के स्कूलों के हालात की कलई खोल दी है वहीं सरकारी तंत्र को कटघरे में खड़ा कर दिया है जो अब एक मासूम की मौत के बाद घटना की मजिस्ट्रेटी जांच और जीर्ण-शीर्ण स्कूलों की रिपोर्ट तलब कर रहे हैं।

सवाल यह है कि शिक्षा मंत्री और शिक्षा विभाग को क्या अब तक इन राज्य के जीर्ण शीर्ण जर्जर भवनों की जानकारी नहीं थी और अगर थी तो अब तक इन के जीर्णोद्धार के लिए कोई प्रयास क्यों नहीं किए गए? खास बात यह है कि एक तरफ हमारी केंद्र की सरकार द्वारा घर-घर शौचालय बनवाये जा रहे हैं और दूसरी तरफ राज्य में हजारों स्कूल ऐसे हैं जहां न तो शौचालय की व्यवस्था है और न पीने के पानी की तथा न बिजली की। इनकी इमारतें इतनी जर्जर स्थिति में है कि इनमें पढ़ने वाले

❑हजारों स्कूल जर्जर न बिजली-पानी है न शौचालय

छात्र छात्राओं के साथ कब कोई बड़ा हादसा हो जाए इसकी कोई गारंटी नहीं है।

सवाल यह है कि राज्य गठन के 20 सालों में राज्य के विकास शिक्षा और पलायन के मुद्दे पर बड़ी-बड़ी बातें करने वाली सरकारों और नेताओं ने आज तक क्या किया है। जिस स्कूल में यह हादसा हुआ उसके शौचालय की स्थिति इतनी जर्जर थी कि वह कभी भी ढह सकता था तो फिर बच्चों को उससे दूर क्यों नहीं रखा गया। अब मजिस्ट्रेटी जांच और मां-बाप को मुआवजे से क्या उनका बच्चा उन्हें वापस मिल जाएगा। एक अन्य बात यह है कि इस स्कूल में सिर्फ एक ही शिक्षक की मौजूदगी थी। यह विडंबना ही है कि पहाड़ के स्कूलों में एक-एक शिक्षक के दम पर स्कूल चल रहे हैं जबकि मैदानी स्कूलों में एक की जगह 10-10 शिक्षक भरे पड़े हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी ने दिल्ली के

◀◀ शेष पृष्ठ 7 पर

मैंने भगवान से पूछकर भाजपा ज्वाइन की: कामंत

नई दिल्ली । गोवा के पूर्व मुख्यमंत्री दिगंबर कामत समेत कांग्रेस के आठ विधायक बुधवार को सत्ताधारी बीजेपी में शामिल हो गए। 40 सदस्यों वाली गोवा विधानसभा में कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर तीन रह गई है। बीजेपी में शामिल होने वाले नेताओं में मौजूदा समय में विपक्ष के नेता माइकल लोबो भी शामिल हैं। अब दिगंबर कामत ने उस वजह का खुलासा किया है, जिस कारण उन्होंने बीजेपी जॉइन की। उन्होंने मुताबिक वह भगवान से पूछकर बीजेपी में शामिल हुए हैं वीडियों में कामत ने कहा, मैं मंदिर गया और देवी-देवताओं से पूछा कि यह (बीजेपी जॉइन) मेरे दिमाग में चल रहा है। मुझे क्या करना चाहिए... भगवान ने कहा, आगे बढ़ो और फिक्र मत करो। दिलचस्प बात है कि चुनाव से पहले गोवा कांग्रेस के नेताओं ने मंदिरों, मस्जिद और चर्च में पार्टी के साथ वफादार रहने की कसम खाई थी। लेकिन 7 महीने के भीतर ही 11 में से 8 कांग्रेस विधायकों ने बीजेपी का दामन थाम दिया। गोवा के पूर्व सीएम ने कहा कि वह भगवान को मानते हैं और यह भी सच है कि उन्होंने कांग्रेस नहीं छोड़ने की शपथ चुनाव से पहले ली थी। साल 2019 में भी कांग्रेस के विधायकों ने दल बदल लिया था। इसी कारण गोवा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने विधायकों को कसम दिलाई थी।

दो नाबालिग दलित सगी बहनों की रेप के बाद हत्या

लखीमपुर खीरी। उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जिले में एक दलित परिवार की दो सगी नाबालिग बहनों के शव पेड़ से लटके मिलने से सनसनी फैल गई। पुलिस ने इस मामले में छह अभियुक्तों को गिरफ्तार करने का दावा किया है और कहा है कि लड़कियों को जबरन ले जाने या अपहरण के आरोप गलत हैं। गुस्साए ग्रामीणों ने अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क पर कई घंटों तक जाम लगाए रखा।

लखीमपुर खीरी के पुलिस अधीक्षक संजीव सुमन ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, अभियुक्त दोनों सगी बहनों को जबरन नहीं ले गए। मुख्य अभियुक्त लड़का इन लड़कियों के घर के पास रहता था। लड़कियों को बरगलाकर खेत में ले जाया गया। मुख्य अभियुक्त ने ही दूसरे

❑पुलिस ने 6 आरोपियों को किया गिरफ्तार
❑सियासी हलकों में भूचाल, प्रशासन पर सवाल

तीन लड़कों से ही इन दो लड़कियों की दोस्ती कराई थी। इन चार के अलावा दो अन्य को साक्ष्य मिटाने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस अधीक्षक ने कहा कि पीड़ित परिवार ने तहरीर बुध वार रात एक बजे दी है, पोस्टमार्टम कुछ देर में होगा। इसके लिए तीन डॉक्टर्स का पैनल है। इसकी वीडियोग्राफी भी की जाएगी। बुधवार की शाम को हुई यह घटना निघासन थाना क्षेत्र की है। लड़कियों की उम्र 15 साल और 17 साल बताई जा रही है। स्थानीय ग्रामीणों और मृतक लड़कियों के परिवारवालों का आरोप है कि तीन लोगों ने लड़कियों के साथ पहले बलात्कार किया और बाद में उनकी हत्या कर शव पेड़ से लटका दिए।

इस घटना के बाद इलाके में गुस्से और तनाव का माहौल है। उत्तेजित ग्रामीणों ने गांव से कुछ दूर निघासन चौराहे पर प्रदर्शन भी किया। प्रदर्शनकारी अभियुक्तों की गिरफ्तारी की मांग कर रहे थे। निघासन चौराहे पर प्रदर्शनकारियों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को काफी मशक्कत करनी पड़ी। उत्तर प्रदेश के एडीजी (लॉ एंड ऑर्डर) प्रशांत कुमार ने कहा कि घटना के दोषियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

दून वैली मेल

संपादकीय

अति के अंत का समय

कहा जाता है कि जब पाप का घड़ा भर जाता है तो उसका फूटना तय है। उत्तराखंड राज्य गठन से लेकर अब तक भ्रष्टाचार और घोटालों का इतिहास देखा जाए तो यह कहना कतई भी अतिशयोक्ति नहीं होगी कि इसकी अति हो गई थी। सत्ता में भले ही कांग्रेस रही हो या फिर भाजपा दोनों दलों के नेताओं और सूबे के अफसरों ने मिलकर दोनों हाथों से लूटने में कोई कोर कसर उठाकर नहीं रखी। आजकल जिन भर्ती घोटालों को लेकर देहरादून से दिल्ली और दिल्ली से लेकर नागपुर तक हंगामा मचा हुआ है वह बेवजह नहीं है और न बात सिर्फ सरकारी नौकरियों में हुई धांधालियों तक सीमित है। तमाम ऐसे वित्तीय घोटालों की है जो जमीनों और ठेकों से जुड़े हैं। एनएच 94 और कुंभ मेले के दौरान कराई गई कोरोना जांच तक में ऐसे सैकड़ों घोटाले हैं जिनमें करोड़ों की हेराफेरी की गई है। भले ही धामी सरकार सूबे के इन नेताओं और अधिकारियों के द्वारा राज्य में हुए भर्ती घोटालों में से दो चार की जांच करा लें, लेकिन राज्य गठन से लेकर अब तक किस किस विभाग में कितने घोटाले हुए इसकी फेरहिस्त बना पाना भी संभव नहीं है। बात चाहे छात्रवृत्ति घोटाले की हो या बीज घोटाले की, कुंभ घोटाले की हो या स्टूटर्जिया घोटाले की कोई एक काम तो होता जिसमें कोई घोटाला नहीं होता यहां तो कीटनाशक दवाओं के छिड़काव तक में भी घोटाले ही घोटाले होते रहे हैं। विधानसभा में हुई बैकडोर भर्तियों में भाजपा के नेताओं के सगे संबंधियों ने ही नौकरियां नहीं पाई अपितु संघ के चार पदाधिकारियों के बच्चे व रिश्तेदारों को नौकरियां बांट दी गई। जिसे लेकर संघ के दिल्ली और नागपुर तक संघ कार्यालय को असहज कर दिया है। भाजपा सरकार अब इन पापों को धोने के प्रयासों में लगी हुई है मुख्यमंत्री धामी इन भर्तियों में हुई धांधलियों की जांच करा कर यह संदेश देने का प्रयास कर रहे हैं कि हमने कम से कम इनकी जांच तो कराई या कुछ अवैध भर्तियों को रद्द तो कराया लेकिन क्या इतना कुछ किया जाना ही काफी है? राज्य के छात्र और युवा जब इन भर्तियों की जांच सीबीआई से कराने की मांग को लेकर प्रदेश व्यापी आंदोलन चला रहे हैं तो सरकार इसकी जांच सीबीआई को सौंपने की पहल क्यों नहीं करती है। क्यों भाजपा ने अभी तक अपने आरोपी मंत्रियों व पूर्व स्पीकर से इस्तीफा नहीं लिया गया है? जांच भले ही चल रही हो लेकिन यह किसी मुकाम तक पहुंचेगी यह अभी संदिग्ध है। जांच का भले ही चाहे जो परिणाम हो लेकिन अब एक बात तो साफ हो चुकी है कि बहुत हो चुका इस गड़बड़ झाले की अति हो चुकी है और इसका अंत भी सुनिश्चित है अब यह और ज्यादा आगे तक नहीं चल सकता है। सरकार अगर कुछ नही भी करेगी तो अब इस प्रदेश के युवा और मातृशक्ति कुछ ऐसा जरूर करेगी जो भ्रष्टाचारियों को सबक सिखा सके।

जागर संरक्षण दिवस पर 17 विभूतियों को किया जायेगा सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। डांडी काठी क्लब संस्था के अध्यक्ष विजय भूषण उनियाल ने बताया कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस वर्ष भी जागर संरक्षण दिवस 17 सितम्बर को मनाया जायेगा जिसमें 17 विभूतियों को सम्मानित किया जायेगा।

आज यहां प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए उनियाल ने बताया कि मध्य हिमालयी संस्कृति के सरोकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए समर्पित संस्था इस वर्ष भी 17 सितम्बर को जागर संरक्षण दिवस मनाने जा रहा है। जिसमें प्रदेश के

विभिन्न क्षेत्रों से अलग-अलग विधाओं में 12 पारंगत श्रेष्ठ विभूतियों एवं पांच ढोलियों सहित कुल 17 विभूतियों को राज्य वाद्य यंत्र सम्मान-2022 से सम्मानित किया जायेगा। कार्यक्रम में प्रदेश के साहित्यविद, संस्कृति प्रेमी, विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधि व प्रदेश के लोक संस्कृति के ध्वजवाहक भारी संख्या में शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश के प्रकांड ढोल सागर, देवसार, पैंसारा, थाती योग के महान गुरूओं का सम्मान सहित पांचवी बार प्रदेश की राजधानी में अद्वितीय अनुष्ठान के साथ जागर संरक्षण दिवस मनाया जायेगा। उन्होंने बताया कि जागर संरक्षण दिवस जागर सम्राट प्रीतम भरतवाण के जन्मदिवस के अवसर पर शुरू किया गया था जोकि पांचवी बार मनाया जा रहा है। प्रेसवार्ता में कृष्णानन्द भट्ट, प्रकाश बडोनी, पार्षद नरेश रावत, चन्द्रदत्त सुयाल, ललित मोहन लखेडा, दिनेश शर्मा आदि मौजूद थे।

गलत तरीके से हुई सभी भर्तियां रद्द होंगी.. ▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

चाहे सिविल कोड लागू करने का हो या फिर मदरसों के सर्वे का सभी फैसले राज्य हित को प्राथमिकता पर रखकर किए गए हैं। जो मदरसे नियम कानूनों के अंतर्गत संचालित हो रहे हैं उनको इस सर्वे से कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए।

सुशासन बाबू की नई सरकार क्या जंगलराज ?

अजय दीक्षित

भारतीय राजनीति में आपराधिक छवि वाले या किसी अपराध के आरोपों का सामना कर रहे लोगों को जनप्रतिनिधि बनाये जाने एवं महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी देने के नाम पर गहरा सन्नाटा पसरा है, कैसा विरोधाभास एवं विसंगति है कि एक अपराध छवि वाला नेता कानून मंत्री बन जाता है, एक अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे प्रतिनिधि को शिक्षा मंत्री बना दिया जाता है।

बिहार में नई सरकार में कानून मंत्री बने राष्ट्रीय जनता दल के विधायक कार्तिकेय सिंह है। जिन्हें पटना के दानापुर में अदालत के सामने समर्पण करना था, मगर ये राजभवन में शपथ लेने पहुंच गये। बिहार में नीतीश कुमार को सुशासन बाबू के तौर पर जाना जाता है जिन्होंने राज्य में अपराध के खात्मे की घोषणा के बूते ही अपने राजनीतिक कद को ऊंचा किया। लेकिन ताजा उलटफेर में जिन लोगों को मंत्रिमण्डल में शामिल किया गया है, उनमें से कई पर लगे आरोपों के बाद एक बार फिर इस सवाल में जोर पकड़ा है कि जो लोग राजनीति को अपराधीकरण से मुक्त बनाने की बात करते हैं, ये हर बार मौका मिलने पर अपने संकल्प एवं बेदाग राजनीति के दावों से पीछे क्यों हट जाते है ? गौरतलब है कि 2014 में कार्तिकेय सिंह सहित सत्रह अन्य लोगों पर पटना के बिहटा थाने में अपहरण का मामला दर्ज कराया गया था। कार्तिकेय सिंह पर आरोप है कि उन्होंने एक बिल्डर को मारने के मकसद से अपहरण की साजिश रची थी। यह अजीब स्थिति है कि अक्सर साफ-सुथरी और ईमानदार सरकार देने के दावों के बीच आपराधिक छवि के लोगों को उच्च पद देने का सवाल उभर जाता है। सवाल है कि क्या नीतीश कुमार अपने ही दावों को लेकर वास्तव में गम्भीर हैं ? ऐसे जिम्मेदार राजनेता अपने दावों से पीछे हटेंगे तो राजनीति को कौन नैतिक संरक्षण देगा ? आज भारत की आजादी का अमृत महोत्सव की परिसम्पन्नता पर एक बड़ा प्रश्न है भारत की राजनीति को अपराध मुक्त बनाने का। यह बेवजह नहीं है कि देशभर में अपराधी तत्वों के राजनीति में बढ़ते दखल ने एक ऐसी समस्या खड़ी कर दी है कि अपहरण के आरोपी अदालत में पेश होने की जगह मंत्री पद की शपथ लेने पहुंच जाते हैं। हम ऐसे चरित्रहीन एवं अपराधी तत्वों को जिम्मेदारी के पद देकर कैसे सुशासन स्थापित करेंगे ? कैसे आम जनता के विश्वास पर खरे उतरेंगे ? इस तरह अपराधी तत्वों को महिमामंडित करने के बाद नीतीश कुमार के उन दावों की क्या विश्वसनीयता रह जाती है कि ये बिहार को अपराध और भ्रष्टाचार से मुक्त कराएंगे ? बड़ा प्रश्न है कि आखिर राजनीति में तब कौन आदर्श उपस्थित करेगा ? क्या हो गया उन लोगों को जिन्होंने सदैव ही हर कुर्बानी करके आदर्श उपस्थित किया। लाखों के लिये अनुकरणीय बने, आदर्श बने। चाहे आजादी की लड़ाई हो, देश की सुरक्षा हो, धर्म की सुरक्षा हो, अपने वचन की रक्षा हो अथवा अपनी संस्कृति और अस्मिता की सुरक्षा का प्रश्न हो, उन्होंने फर्ज और वचन निभाने के लिए अपना सब कुछ होम कर दिया था। महाराणा प्रताप, भगत सिंह, दुर्गादास, छत्रसाल, शिवाजी जैसे वीरों ने अपनी तथा अपने परिवार की सुख-सुविधा को गौण कर बड़ी कुर्बानी दी थी।

गुरु गोविन्दसिंह ने अपने दोनों पुत्रों को दीवार में चिनवा दिया और पन्नाधाय ने अपनी स्वामी भक्ति के लिए अपने पुत्र को कुर्बान कर दिया। ऐसे लोगों का तो मन्दिर बनना चाहिये। इनके मन्दिर नहीं बने, पर लोगों के सिर श्रद्धा से झुकते हैं, इनका नाम आते ही। लेकिन आज जिस तरह से हमारा राष्ट्रीय जीवन और सोच विकृत हुए हैं, हमारी राजनीति स्वार्थी एवं संकीर्ण बनी है, हमारा व्यवहार झूठा हुआ है, चेहरों से ज्यादा नकाबें ओढ़ रखी हैं, उसने हमारे सभी मूल्यों को धराशायी कर दिया। राष्ट्र के करोड़ों निवासी देश के भविष्य को लेकर चिन्ता और ऊहापोह में हैं। वक्त आ गया है जब देश की संस्कृति गौरवशाली विरासत को सुरक्षित रखने के लिए कुछ शिखर के व्यक्तियों को भागीरथी प्रयास करना होगा। दिशाशून्य हुए नेतृत्व वर्ग के सामने नया मापदण्ड रखना होगा। अगर किसी हत्या, अपहरण या अन्य संगीन अपराधों में कोई व्यक्ति आरोपी है तो उसे राजनीतिक बता कर संरक्षण देने की कोशिश या राजनीतिक लाभ उठाने की कुचेष्टा पर विराम लगाना ही होगा। दिल्ली सरकार में मंत्रियों के घरों पर सीबीआई के छापे या बिहार मंत्री परिषद के गठन में अपराधी तत्वों की ताजपोशी- ये गम्भीर मसले हैं। राजनीति के शुद्धिकरण का सार्थक प्रयास हो, यह नया भारत सशक्त भारत की प्राथमिकताएं होनी ही चाहिये। सभी अपनी अपनी पहचान एवं स्वार्थपूर्ति के लिए दौड़ रहे हैं, चिल्ला रहे हैं। कोई पैसे से, कोई अपनी सुन्दरता से, कोई विद्वता से, कोई व्यवहार से अपनी स्वतंत्र पहचान के लिए प्रयास करते हैं। राजनीति की दशा इससे भी बदतर है कि यहां जनता के दिलों पर राज करने के लिये नेता अपराध, भ्रष्टाचार एवं चरित्रहीनता का सहारा लेते हैं। जातिवाद, प्रांतवाद, साम्प्रदायिकता को आधार बनाकर जनता को तोड़ने की कोशिशें होती हैं। पर हम कितना भ्रम पालते हैं।

पहचान चरित्र के बिना नहीं बनती। बाकी सब अस्थायी है। चरित्र एक साधना है, तपस्या है। जिस प्रकार अहं का पेट बढ़ा होता है, उसे रोज कुछ न कुछ चाहिए उसी प्रकार राजनीतिक चरित्र को रोज संरक्षण चाहिये और यह सब दृढ़ मनोबल साफ छवि, ईमानदारी एवं अपराध मुक्ति से ही प्राप्त किया जा सकता है।

उद्वेति सुभगो विश्वचक्षाः साधारणः सूर्यो मानुषाणाम्।

चक्षुर्मित्रस्य वरुणस्य देवश्चर्मेव यः समविव्यक्तर्मासि।।

(ऋग्वेद ७-६३-१)

जब ध्यान साधनाओं के माध्यम से दिव्य ज्ञान का सूर्य आत्मा में ऊँचा और ऊँचा उठता है। तो अज्ञान रूपी अंधकार दूर हो जाता है जैसे तेज हवा से सूखे पत्ते उड़ जाते हैं।

When the sun of divine knowledge rises higher and higher in the soul through meditation practices, So the darkness of ignorance dissipates like dry leaves being blown away by a strong wind. (Rig Veda 7-63-1)

रास्ता तो यही है

किसी प्रयास को शुरुआत में ही अगर-मगर लगा कर खारिज करना उचित नजरिया नहीं है। मुद्दा यह है कि अगर भारत जनतंत्र है- या इसे जनतंत्र बने रहना है- तो क्या वह जन से बिना जुड़े कायम और जीवंत रह सकता है?

राहुल गांधी अपने साथी यात्रियों के साथ लंबी पद यात्रा पर निकल चुके हैं। इसका क्या हासिल होगा- इस बारे में अभी कुछ कहना बेमतलब होगा। लेकिन यह ध्यान में रखना चाहिए कि जब कोई प्रयोग होता है, तो उसका परिणाम मालूम नहीं रहता। नाकाम प्रयोगों की संख्या कभी कम नहीं रहती। लेकिन उनके बीच से ही कोई आविष्कार भी होता है। इसलिए किसी प्रयास को शुरुआत में ही अगर-मगर लगा कर खारिज करना उचित नजरिया नहीं है। मुद्दा यह है कि अगर भारत जनतंत्र है- या इसे जनतंत्र बने रहना है- तो क्या वह जन से बिना जुड़े कायम और जीवंत रह सकता है? भारतीय राजनीति की समस्या ही यही रही है कि बीते चार-पांच दशकों से आरएसएस-भाजपा को छोड़ कर बाकी धाराओं के नेताओं ने जनता से खुद को काट लिया। एसी और सोफे की संस्कृति की राजनीति इतनी हावी हुई कि नेता सिर्फ ऊंचे मंच से ही जनता को देखते रहे। जनता क्या सोचती है, उसके मन में क्या है, ये बात राजनेताओं के लिए महत्त्व खोती चली गई। तो धीरे-धीरे आम जन की नजर में नेताओं और उनकी पार्टियों का महत्त्व भी घटता चला गया। इसीलिए राहुल गांधी का जनता के बीच लौटना महत्त्वपूर्ण है। इसे उन्होंने उचित ही तपस्या कहा है। अब तपस्या उतनी ही सफल होती है, जितनी पवित्रता के साथ उसे निभाया जाता है। बहरहाल, पवित्रता भंग होने के बाद दोबारा उसे हासिल करने की गुंजाइश भी हमेशा बनी रहती है। असल बात इरादे की होती है। यह तो अवश्य स्वीकार किया जाएगा कि भारत जोड़ो यात्रा के साथ कांग्रेस और इससे जुड़े जन संगठनों ने एक इरादा दिखाया है। उन्होंने उस भारत को साकार करने इरादा जताया है, जिसकी अवधारणा स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में जन्मी थी। अगर वे जनता की बात सुन पाए और उसके मुताबिक अपने आगे के कार्यक्रमों और नीतियों को ढाल पाए, तो ऐसा होना असंभव नहीं है। यह याद रखना चाहिए कि जनतांत्रिक विकल्प का उदय हमेशा जनता के बीच से ही होता। ये विकल्प कैसा होगा- या इसका उदय होगा भी या नहीं, ये सवाल अभी अहम नहीं है। अभी सिर्फ यह अहम है कि एक नई शुरुआत की गई है।(आरएनएस)

गैर सरकारी संगठनों ने खोला राहत सामाग्री कलेक्शन सेंटर

संवाददाता

पिथौरागढ़। गैर सरकारी संगठनों के मंच की इकाई ने आपदा प्रभावितों की सहायता हेतु राहत सामाग्री कलेक्शन सेंटर शुरू किया।

आज यहां उत्तराखंड के गैर सरकारी संगठनों के मंच की जिला ईकाई द्वारा गांधी चौक में आपदा प्रभावितों के लिए राहत सामाग्री कलेक्शन सेंटर शुरू कर दिया गया है। पहले दिन नगर के दानदाताओं ने दैनिक उपयोग का सामान सेंटर में जमा किया। गांधी चौक में नगर के स्वयं सेवकों की मदद से क्लेक्शन सेंटर को आज से प्रारंभ कर दिया गया है। गांधी चौक में शुरू हुए सेंटर में आपदा प्रभावितों के लिए राशन, कपड़े, कंबल, गद्दे ,चादर ,वर्तन ,जूते चप्पल आदि सामान जमा किया जा रहा है। सेंटर से यह अपील की गयी है कि पुराने कपड़े किसी भी दशा में न दिया जाए। बच्चों को पठन पाठन की सामाग्री भी दी सा सकती है। मंच के जिला संयोजक डां किशोर पंत ने बताया कि गांधी चौक के अलावा अभिलाषा समिति नियर सनवाल नर्सिग होम रई, लक्ष्य फाउंडेशन नियर सिटी मार्ट लिंक रोड़, वात्सल्यम् समिति निकट बटर प्लाई पब्लिक स्कूल नियर टकाना में भी सामाग्री जमा की जा सकती है।

मंच के राज्य कोंसिल सदस्य जगत मर्तोलिया ने बताया कि कोई भी दानदाता इन सेंटरों पर नकद धनराशि ना दे। अपनी क्षमता के अनुसार कुछ सामान खरीद कर दे सकते है। उन्होंने विपदाकाल में जिले के सामाजिक, राजनैतिक, धार्मिक तथा कर्मचारी संगठनों से सहयोग की अपील की। सेंटर के संचालन में हिमालय फाउंडेशन के अध्यक्ष बंसत बल्लभ भट्ट, वात्सल्यम समिति के अध्यक्ष विपल्व भट्ट, सामाजिक कार्यकर्ता मोहित बिष्ट, शुभम नाथ, मोहित उप्रेती, तमन्ना कोठारी, पूर्णिमा थापा, दिशा नाथ, मुकेश लोहिया, खुशमान पार्की, अंकित ज्याला, निशा, निशा नाथ, रंजीत ने किया।

घर में घुसकर मारपीट में आधा दर्जन से अधिक नामजद

संवाददाता

देहरादून। घर में घुसकर मारपीट करने के मामले में पुलिस ने आधा दर्जन से अधिक पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार गंगासूरज पुर कालोनी हरिपुर निवासी महिला ने रायवाला थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पडोस में रहने वाले ओंकार, भोलाराम, दीपांशु, सचिन, गौरी, निर्मला, शांति देवी व शालू उनके घर में घुस आये और उसके बेटे के साथ गाली गलौच करने लगे। जब उन्होंने उनका विरोध किया तो उन्होंने उसके व उसके बेटे के साथ मारपीट कर उनको घायल कर दिया। जब आसपास के लोग उनको बचाने आये तो सारे हमलावर उनको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

मकान का किराया देने के नाम पर ठगे 86 हजार रूपये

संवाददाता

देहरादून। मकान का किराया गूगल पे करने के नाम पर 86 हजार रूपये ठगने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रकाश लोक शिमला रोड निवासी एचके पाण्डेय ने पटेलनगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके फोन पर कॉल आयी और कॉल करने वाले ने उसके यहां मकान किराये पर लेने की बात कही। जिसके बाद उसने एडवॉस किराया गूगल से करने के लिए कहा तथा उसको एक लिंक भेजा उसने जैसे ही लिंक पर क्लीक किया तो उसके खाते से 86 हजार 666 रूपये निकल गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

बिना ईआरसी की अनुमति के यूपीसीएल ने खरीदी 900 करोड की बिजली:नेगी

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि यूपीसीएल ने 900 करोड की बिजली बिना ईआरसी से अनुमति लिये खरीद ली जो एक बडे खेल की तरफ इशारा करता है।

आज यहां पत्रकारों से वार्ता करते हुए जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि यूपीसीएल द्वारा लगभग 900 करोड़ की बिजली खरीद पर विद्युत नियामक आयोग से सहमति न लेना अथवा खरीद से संबंधित प्रस्ताव नियामक आयोग के समक्ष पेश न करना यूपीसीएल द्वारा किए गए भारी भरकम खेल को दर्शाता है। नेगी ने कहा कि यूपीसीएल द्वारा पावर एक्सचेंजो से मार्च से जून 2022 तक 1063.59 मिलियन यूनिट एवं एनवीवीएन के माध्यम से मई एवं जून 2022 में कुल 135.75 मिलियन यूनिट विद्युत खरीदी गई। यानी कुल 1199.34 विद्युत खरीदी गई। नेगी ने कहा कि गर्मी का मौसम आने से पहले निगम को होमवर्क करना चाहिए था, जो उसने नहीं किया जिसका नतीजा यह हुआ कि आकंठ कर्ज में डूबे प्रदेश को करोड़ों रुपए की बिजली महंगे दामों में खरीदनी पड़ी। निगम को चाहिए था कि बिजली खरीद से पहले आयोग के समक्ष प्रस्ताव तो पेश किया होता, चाहे आयोग स्वीकृति देता या न देता, वह अलग बात होती, लेकिन प्रस्ताव रखने तक की जहमत नहीं उठाई गई। उक्त स्वीकृति न मिलने के कारण निगम का घाटा बढ़ेगा और यह घाटा निकट भविष्य में विद्युत उपभोक्ताओं से वसूला जाना तय है द्य नेगी ने कहा कि यूपीसीएल अपनी नाकामी छुपाने के लिए रातों-रात कुछ भी कर लेते हैं, लेकिन जनता की विद्युत समस्याओं पर संज्ञान लेने में महीनों/सालों लगा देते हैं। नेगी ने कहा कि यूपीसीएल की इस करतूत से प्रतीत होता है कि निगम का प्रबंधन फेल हो चुका है। पत्रकार वार्ता में विजय राम शर्मा व सुशील भारद्वाज मौजूद थे।

एटीएम कार्ड बदलकर हजारों रूपये निकालने के मामले में मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। एटीएम कार्ड बदलकर हजारों रूपये निकालने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार तुनवाला निवासी संदीप सिंह गुसांई ने नेहरू कालोनी थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह हरिद्वार रोड पर स्थित पीएनबी बैंक के एटीएम में पैसे निकालने गया था तभी वहां पर मौजूद एक व्यक्ति ने उसका एटीएम कार्ड बदल दिया। उसके खाते से जब रूपये निकले तब उसको अपना एटीएम कार्ड बदले जाने का पता चला। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

निर्माण में आ रही दिक्कतों को लेकर जिलाधिकारी को सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता

देहरादून। हरिद्वार रोड पर निर्मित नये जिला न्यायालय परिसर के साथ शासन द्वारा स्वतंत्रता संग्राम सेनानी सदन के लिए आबंटित भूखंड की बाउंड्री वाल के निर्माण मे आ रही मुश्किलो को दूर कर एमडीडीए द्वारा इसका तत्काल निर्माण कराने हेतू आज स्वतंत्रता सेनानी एवम उत्तराधिकारी कल्याण समीति उत्तराखंड का प्रतिनिधिमंडल जिलाधिकारी जो एमडीडीए की भी अध्यक्ष है, से मिला। प्रतिनिधिमंडल मे मुकेश नारायण शर्मा,सुशील त्यागी,कुसुम धस्माना शामिल थी।

जिलाधिकारी को दिये गए ज्ञापन मे बताया गया कि आवंटित भूखंड पर चारदीवारी के निर्माण हेतु शासन द्वारा बजट आवंटित करने के बाद, बाउंड्री वॉल के निर्माण की जिम्मेदारी, जिलाधिकारी द्वारा एमडीडीए को दी गई है परन्तु सम्बन्धित ठेकेदार तीन माह मे भी कार्य नही करा पाये है।

बताया गया कि भूखंड पर 'उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम' के ठेकेदार द्वारा बनाए गए टीनशेड आदि सामान के अतिक्रमण द्वारा बाउंड्री वाल का कार्य प्रारंभ नहीं हो सका है। इसको तत्काल हटाया जाना जरूरी है। तभी बाउंड्री वाल का कार्य समीति की अपेक्षानुसार 2 अक्टूबर से पहले पूरा हो सकेगा। जिलाधिकारी द्वारा वही मौजूद एमडीडीए सचिव मोहन सिंह बर्निया को प्रकरण पर आवश्यक कार्रवाई हेतू आदेश जारी किये गये है।

सात पेटी शराब सहित एक गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। शराब तस्करी में लिप्त एक व्यक्ति को पुलिस ने 7 पेटी देशी शराब व तस्करी में प्रयुक्त कार सहित गिरफ्तार कर लिया है।

जानकारी के अनुसार कल देर शाम थाना बुग्गावाला पुलिस को सूचना मिली कि क्षेत्र में कुछ शराब तस्कर अवैध शराब की डिलीवरी हेतू आने वाले है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने क्षेत्र में चैकिंग अभियान चला दिया। इस दौरान पुलिस को गांजा माजरा से विहारीगढ जाने वाले पुल के समीप कार सवार एक संदिग्ध आता हुआ दिखायी दिया। पुलिस ने जब उसे रूकने का इशारा किया तो वह सकपका गया। कार की तलाशी लेने पर पुलिस ने उसमें रखी 7 पेटी देशी शराब बरामद की। पूछताछ में उसने अपना नाम फैजान पुत्र गुलजार निवासी खेड़ी शिकोहपुर थाना भगवानपुर हरिद्वार बताया। बताया कि मै चोरी- छिप्पे देशी शराब बेचता हूँ तथा इससे मुझे काफी मुनाफा मिल जाता है। बहरहाल पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश कर दिया है।

चीनी मुसलमानों की दुर्दशा

वेद प्रताप वैदिक

संयुक्तराष्ट्र संघ की मानव अधिकार परिषद ने चीन को कठघरे में खड़ा कर दिया है। उसकी ताजा रपट में उसने बताया है कि चीन के शिन च्यांग (सिंक्यांग) प्रांत के लगभग दस लाख उइगरों को यातना शिविरों में बंद करके रखा हुआ है। ये उइगर मुसलमान हैं। ये दिखने में भी चीनियों से अलग दिखते हैं। उनका सिंक्यांग प्रांत हमारे लद्दाख से लगा हुआ है। सैकड़ों सालों से पैदल रास्ते चीन जानेवाले और वहां से आनेवाले व्यापारी, विद्वान, यात्रीगण इसी रास्ते से आया जाया करते थे।

उइगरों का यह क्षेत्र सदियों से चीनी वर्चस्व के बाहर रहा है। कम्युनिस्ट शासन की स्थापना होने के पहले इस उइगर-क्षेत्र में आजादी का आंदोलन चलता रहा है लेकिन जब से चीन में कम्युनिस्ट शासन स्थापित हुआ है, उइगर मुसलमानों को बड़ी बेरहमी से दबाया गया है। कुछ उइगर नेताओं और व्यापारियों को अपना हथियार बनाकर चीनी सरकार उन पर निरंतर जुल्म करती रहती है। संयुक्तराष्ट्र संघ की लंबी रपट में ठोस तथ्य और तर्क देकर बताया गया है कि चीन के ये मुसलमान गुलामी की जिंदगी जी रहे हैं। उनकी जनसंख्या न बढ़े, इसलिए उनकी जबरन सामूहिक नसबंदी कर दी जाती है। उनकी मस्जिदों पर ताले ठोक दिए जाते हैं। वहां मदरसे नहीं चलने दिए जाते हैं। इस्लामी देशों के प्रचारकों को वहां घुसने भी नहीं दिया जाता है। उनकी वेशभूषा और नाम भी बदलने की कोशिश बराबर जारी रहती है। उइगर बच्चों के स्कूलों में चीनी भाषा अनिवार्य रूप से पढ़ाई जाती है। शिंनच्यांग प्रांत में कम्युनिस्ट पार्टी का शिंकजा इतना कड़ा है कि जो उइगर मुसलमान उसके पदाधिकारी हैं, वे चीनियों की नकल भर बने रहते हैं। सिंक्यांग प्रांत की राजधानी उरुमची और अन्य शहरों व गांवों में मुझे घूमने-फिरने और आम आदमियों से खुलकर बात करने का मौका मिला है। कई उइगरों से पेइचिंग और शांघाई में भी मेरा खुलकर संवाद हुआ है। वे अपने आप को चीनी कहने में ही संकोच करते हैं। सिंक्यांग में मैंने जैसी गरीबी देखी, वैसी दुनिया के बहुत कम देशों में देखी है। वहां की कई महिलाओं ने शिकायत की कि चीनी लोग उनके साथ काफी बुरा बर्ताव करते हैं। राजधानी उरुमची में पाकिस्तानी छात्रों की भरमार रहती है। चीनी सरकार उन्हें लगभग मुफ्त में मेडिकल की शिक्षा देती है लेकिन उसे यह डर भी लगा रहता है कि इन इस्लामी पाकिस्तानियों के जरिए अफगानिस्तान और मध्य एशियाई मुस्लिम राष्ट्रों के आतंकवादी कहीं सिंक्यांग में अपना अड्डा न बना लें। ये उइगर लोग भारत और पाकिस्तान को बहुत प्यार करते हैं लेकिन देखिए उनकी बदक़िस्मती कि इन दोनों देशों के नेता उइगरों के मुद्दे पर मौन धारण किए रहते हैं। अमेरिका और पश्चिमी राष्ट्र जब मुंह खोलते हैं, चीन उन पर निहित स्वार्थ और दुश्मनी का आरोप लगाता है। चीनी सरकार ने संयुक्तराष्ट्र की इस ताजा रपट को भी यही कहकर रद्द कर दिया है।

आजाद हार्ड लाइन लेकर राजनीति करेंगे

गुलाम नबी आजाद ने पार्टी का ऐलान नहीं किया है लेकिन अपनी पार्टी का एजेंडा घोषित कर दिया है और उससे साफ हो गया है कि उनकी चुनावी रणनीति क्या होगी? वे हार्ड लाइन लेकर ही राजनीति करेंगे। जैसे कश्मीर घाटी की दूसरी प्रादेशिक पार्टियां- जैसे नेशनल कांफ्रेंस, पीडीपी, अपनी पार्टी आदि राजनीति कर रही हैं उसी तरह आजाद की पार्टी भी राजनीति करेगी। उनके बारे में भले यह धारणा बन रही है कि वे भाजपा की बी टीम हैं और भाजपा को फायदा पहुंचाने के लिए राजनीतिक दल बना रहे हैं लेकिन उनका एजेंडा हार्ड लाइन पार्टी वाला होगा तभी उनको कश्मीर घाटी में वोट मिल पाएंगे। अगर उन्होंने एजेंडा भी भाजपा वाला रखा तो उनको न जम्मू में वोट मिलेंगे और न घाटी में है। उनको अपने एजेंडे और प्रचार से दिखाना है कि वे भाजपा की बी टीम नहीं हैं, बल्कि भाजपा से भी लड़ रहे हैं। तभी उन्होंने पार्टी की घोषणा करने से पहले अपनी रैली में पार्टी के तीन एजेंडे बताए। आजाद ने बताया कि वे जम्मू कश्मीर का राज्य का दर्जा बहाल कराने के लिए काम करेंगे। यह कोई एजेंडा नहीं है क्योंकि सरकार ने कहा है कि वह राज्य का दर्जा बहाल करेगी। जम्मू कश्मीर अनंतकाल तक केंद्र शासित प्रदेश नहीं रहने वाला है। सवाल सिर्फ इतना है कि विधानसभा चुनाव से पहले राज्य का दर्जा बहाल हो जाएगा या उसके बाद होगा। लेकिन आगे के दो एजेंडे हार्ड लाइन वाले हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी यह सुनिश्चित करेगी कि सिर्फ जम्मू कश्मीर के लोगों को ही राज्य में नौकरी मिले और सिर्फ स्थानीय लोग ही जमीन खरीद पाएं। यानी बाहर के लोग न जमीन खरीद सकें और न नौकरी कर सकें। यह पीडीपी, नेशनल कांफ्रेंस जैसी पार्टियों का एजेंडा है। लेकिन ऐसा होगा नहीं क्योंकि फिर अनुच्छेद 370 और 35ए समाप्त करने का मकसद पूरा नहीं हो पाएगा। इस बात को आजाद भी जानते हैं फिर भी वे अपने को घाटी के मुसलमानों का मसीहा बताने के लिए इन मुद्दों पर राजनीति करेंगे। उनको पता है कि तभी वोट मिल पाएगा और वे कुछ हद तक भाजपा का मकसद पूरा कर पाएंगे।(आरएनएस)

मकान में घुसकर फलदार वृक्ष काटने पर बाप बेटे नामजद

देहरादून (सं)। मकान में घुसकर फलदार वृक्ष काटने के मामले में पुलिस ने बाप बेटे व बेटी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार भगवानपुर सेलाकुई निवासी आदित्य राम शर्मा ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उनके पडोस में रहने वाले विजय उसकी बेटी आशु व बेटा उसके मकान में जबरदस्ती घुस आये और उसके मकान में लगे पपीते के छह फलदार पेडों को जबरदस्ती काट दिया तथा विरोध करने पर उसके साथ मारपीट कर उसको जान से मारने की धमकी देकर चले गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पथरी रोगियों के लिए घातक साबित हो सकता हैं चुकंदर का सेवन

सुपरफूड की बात करें तो इसमें चुकंदर का नाम भी शामिल किया जाता हैं जो कई पोषक तत्वों से भरपूर होता हैं। ज्यादातर लोग इसे थाली में सलाद, सब्जी या फिर जूस के रूप में अपने डाइट में शामिल करते हैं। चुकंदर कई तरह के फायदे पहुंचाने का काम करता है और बीमारियों से बचाता है। लेकिन ऐसा नहीं है कि चुकंदर हमेशा फायदा ही पहुंचाता हैं बल्कि कई लोग ऐसे होते हैं जिनके लिए चुकंदर का सेवन घातक साबित होता हैं। आज इस कड़ी में हम आपको ऐसे लोगों की जानकारी देने जा रहे है जिन्हें चुकंदर का सेवन करने से परहेज करना चाहिए। आइये जानते हैं इनके बारे में...

पथरी रोगियों के लिए

क्लिनिकल न्यूट्रिशन रिसर्च के अनुसार, चुकंदर ऑक्सालेट से भरपूर होता है जिसका अधिक सेवन किडनी में पथरी बनने का खतरा बढ़ा सकता है। यदि आपको पहले से पथरी है तो इसे खाने से पहले डॉक्टर की सलाह जरूर ले लेनी चाहिए। अध्ययनों से पता चलता है कि चुकंदर यूरिन ऑक्सालेट के उत्सर्जन को भी बढ़ा देता है, जिससे कैल्शियम ऑक्सालेट के कारण किडनी में स्टोन का खतरा अधिक हो सकता है।

लिवर के मरीजों के लिए

स्टडीज से पता चलता है कि चुकंदर का अत्यधिक सेवन करने से लिवर की भी समस्या हो सकती है। चुकंदर में कॉपर, आयरन, फॉस्फोरस, मैग्नीशियम होते हैं। ज्यादा मात्रा में ये मिनरल्स लिवर में जाकर जमा होने लगते हैं और इसे नुकसान पहुंचाते है। चुकंदर ज्यादा खाने से शरीर में कैल्शियम की मात्रा कम होने लगती है जिससे हड्डियों की समस्या बढ़ जाती है।

डायबिटीज रोगियों के लिए

चुकंदर का ग्लाइसेमिक इंडेक्स 61 होता है, ऐसे में डायबिटीज में चिकित्सक इसे बहुत कम मात्रा में ही खाने की सलाह देते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि डायबिटीज के रोगियों को 55 से अधिक ग्लाइसेमिक इंडेक्स वाली चीजों से परहेज करना चाहिए, ये तेजी से ब्लड शुगर के लेवल को बढ़ा देती हैं। डायबिटीज रोगियों में अक्सर हीमोग्लोबिन की समस्या देखने को मिलती है, चुकंदर इस कमी के लिए तो फायदेमंद हो सकता है पर इसके सेवन से पहले डॉक्टर की सलाह जरूरी है।

लो ब्लड प्रेशर वाले मरीजों के लिए

जिन लोगों का ब्लड प्रेशर अक्सर लो रहता है उनके लिए चुकंदर खाना हानिकारक हो सकता है, चुकंदर के सेवन से ब्लड प्रेशर और भी कम हो जाता है। चुकंदर में मौजूद नाइट्रेट शरीर के भीतर नाइट्रिक ऑक्साइड में परिवर्तित हो जाते हैं। नाइट्रिक ऑक्साइड रक्त वाहिकाओं को आराम देने और रक्त को पतला करने में मदद करता है, जिससे रक्तचाप कम होता है। ऐसे में पहले से ही लो ब्लड प्रेशर के शिकार लोगों की इससे समस्या बढ़ सकती है।

एलर्जी वाले मरीजों के लिए

चुकंदर की वजह से एनाफिलेक्सिस की भी समस्या हो सकती है। हालांकि इसके मामले बहुत कम ही देखने को को मिलते हैं। ये एक तरह की एलर्जी की समस्या होती है जिसकी वजह से स्किन पर चकत्ते, खुजली, सूजन या फिर अस्थमा के भी लक्षण आने लगते हैं। ऐसी स्थिति में चुकंदर का सेवन ना करने की सलाह दी जाती है।

गर्भवती महिलाओं के लिए

चुकंदर में नाइट्रेट की मात्रा गर्भवती महिलाओं के लिए भी समस्या बढ़ा सकता है, गर्भवती महिलाएं नाइट्रेट के प्रभाव के प्रति अधिक संवेदनशील होती हैं। यह गर्भावस्था के बाद के चरण के दौरान रक्त में मेथेमोग्लोबिन के स्तर में वृद्धि का कारण बन सकता है। इसके कारण ऊर्जा की कमी, सिरदर्द, चक्कर आना, आंखों, मुंह, होंठ, हाथ और पैरों के आसपास की त्वचा का नीला-ग्रे पड़ जाने जैसी समस्या हो सकती है। गर्भावस्था के दौरान आहार को लेकर विशेषज्ञों की सलाह लेते रहना आवश्यक हो जाता है।

शब्द सामर्थ्य -58

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. राजद प्रमुख 6. रखवाला, रक्षा करने वाला 7. दयालु, रहम करने वाला (उ.) 10. युग्म, जोड़ा, एक राशि, एक फिल्म अभिनेता 13. कैदखाना, जेल, हिरासत 15. जानकी, जनकनंदनी 17. व्यर्थ की बात, बकबक 18. नारी, स्त्री, महिला 21. विक्रय करना 22. वाणी, कथन, वादा 24. ताश में दस अंकों वाला पत्ता 25. नगर का, नागरिक, चतुर।

ऊपर से नीचे

1. बेफ्रिक, निश्चिंत, जिसे कोई परवाह न हो 2. मूर्ति 3. दोस्त, प्रेमी 4. कुशल, विशेषज्ञ 5. बगुला 8. झुका हुआ, झुकाया गया, नत 9. इधर-उधर, पास पड़ोस 11. किस्मत, तकदीर, भाग्य 14. बंदर, मर्कट, कपि 16. शक्तिशाली, बलवान 18. संतान, संतति 19. अस्तबल, घुड़साल 20. राजी करना, रूठे हुए को प्रसन्न करना 23. सरिता, नदिया, नद।

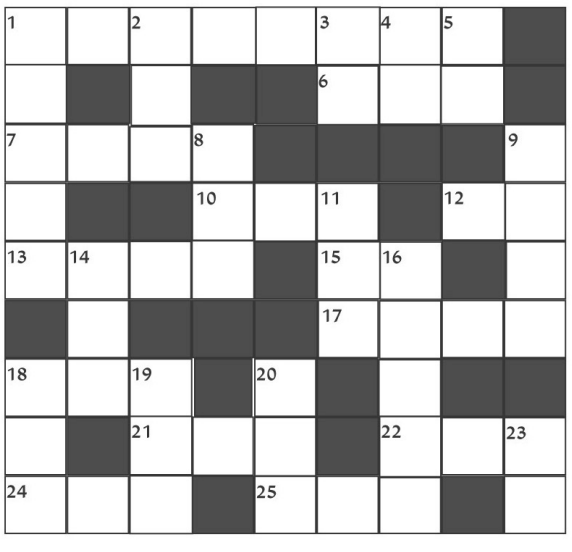

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 57 का हल

मा	म	ला	■	सि	वा	य	■	कि
लि	■	चा	ह	त	■	म	म	ता
क	सू	र	■	म	ग	न	■	ब
■	र	■	■	■	द	■	■	■
क	मा	न	■	पा	र	स	■	स
मी	■	म	जा	ल	■	न	क	ली
ना	दा	न	■	ना	र	द	■	का
■	मि	■	■	■	तौं	■	■	■
सु	नी	ल	■	अ	धी	र	■	जी

महेश बाबू ने आ अम्मयी गुरिंची मीकू चेप्पली का ट्रेलर जारी किया

तेलुगू स्टार महेश बाबू ने सोमवार को निर्देशक मोहनकृष्ण इंद्रगंती की आगामी रोमांटिक फिल्म आ अम्मयी गुरिंची मीकू चेप्पली का ट्रेलर लॉन्च किया।

फिल्म, जिसमें नाइट्रो स्टार सुधीर बाबू और कृति शेट्टी मुख्य भूमिका में हैं, का निर्माण बी महेंद्र बाबू और किरण बल्लापल्ली द्वारा बेंचमार्क स्टूडियो के लिए मैथरी मूवी मेकर्स के सहयोग से किया जा रहा है। गजुलापल्ले सुधीर बाबू फिल्म पेश कर रहे हैं। ट्रेलर की शुरुआत पेशे से डॉक्टर कृति शेट्टी से होती है, जो फिल्मों में काम करना स्वीकार करती हैं। सुधीर बाबू, जो फिल्म में एक सफल फिल्म निर्माता हैं, अपने फैसले के साथ नौवें स्थान पर हैं। सुधीर बाबू ट्रेलर में एक युवा फिल्म निर्माता के रूप में आकर्षक लग रहे हैं। एक महत्वाकांक्षी अभिनेत्री के रूप में कृति शेट्टी भी कूल दिखती हैं। लगता है सिनेमैटोग्राफर पीजी विंदा ने शानदार काम किया है और विवेक सागर का संगीत उत्तम दर्जे का है। ट्रेलर में मुख्य किरदारों को पेश करने के अलावा संघर्ष की बात भी दिखाई गई है, जिससे फिल्म से उम्मीदें बढ़ गई हैं। अवसारला श्रीनिवास, वेनेला किशोर, राहुल रामकृष्ण, श्रीकांत अयंगर और कल्याणी नटराजन कुछ अन्य हैं जो फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। आ अम्मयी गुरिंची मीकू चेप्पली इस साल 16 सितंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है।

शरवानंद और राशि खन्ना की नई फिल्म की शूटिंग हुई शुरु

तेलुगु लेखक और निर्देशक कृष्णा चैतन्य की अगली फिल्म की शूटिंग एक साधारण पूजा के साथ शुरू हुई। फिल्म में अभिनेता शारवानंद मुख्य भूमिका में हैं।

फिल्म, जो कि शारवानंद की 33वीं फिल्म है, को तेलुगु सिनेमा के सबसे सफल निर्माताओं में से एक टी. जी. विश्व प्रसाद के साथ विवेक कुचिभोटला फाइनेंस कर रहे हैं। सूत्रों का कहना है कि अभी तक फिल्म का टाइटल तय नहीं हुआ है। यह एक राजनीतिक एक्शन ड्रामा होगी। फिल्म की नियमित शूटिंग अक्टूबर से शुरू होनी है। कृष्णा चैतन्य की दमदार स्क्रिप्ट में शारवानंद को एक इंटेंस कैरेक्टर में दिखाया जाएगा। राशि खन्ना महिला प्रधान भूमिका निभाएंगी जबकि प्रियामणि फिल्म में एक महत्वपूर्ण भूमिका में दिखाई देंगी। युवान शंकर राजा इस फिल्म के लिए संगीत देंगे, जिसका छायांकन जिमशी खालिद करेंगे।(आरएनएस)

शेफाली शर्मा ने अपनी भूमिका के लिए मां से लिए टिप्स

पर्दे पर पहली बार मां की भूमिका निभा रहीं अभिनेत्री शेफाली शर्मा का कहना है कि उन्होंने संजोग में अपने किरदार को अच्छी तरह समझने में अपनी मां की मदद ली। अभिनेत्री ने कहा, यह पहली बार है, जब मैं एक मां के किरदार को पर्दे पर चित्रित कर रही हूं। मैं इसे लेकर बहुत उत्साहित हूं। मैंने अपने पास मौजूद सभी दस्तावेजों को पढ़कर और कई मां को देखकर इस भाग के लिए गहन शोध किया था। उन्होंने आगे कहा, मेरे कार्यों से मेरी प्रतिक्रियाओं तक, जिस तरह से मैं खुद को ढोती हूं, मैं तारा (हेजल शाह) से कैसे बात करती हूं, मैं उसके साथ कैसा व्यवहार करती हूं, और इसी तरह, मैं हर पहलू को सही करना चाहती थी। इन बारीकियों को जानने के लिए, मैंने मेरी मां की मदद ली और मुझे नहीं लगता कि मेरी मां के अलावा कोई और मेरी मदद कर पाएगा।

शेफाली शर्मा को उम्मीद है कि दर्शक उनके ऑन-स्क्रीन व्यक्तित्व से जुड़ेंगे, मैंने हमेशा अपनी मां को एक सुपरमॉम के रूप में देखा है और इसलिए, वह पहली व्यक्ति थीं, जिनसे मैं शो के लिए कुछ टिप्स लेने के लिए पहुंची। मुझे उम्मीद है कि मैं न्याय कर पाऊंगी। अमृता के किरदार के लिए और दर्शकों को मेरा किरदार और शो पसंद है।(आरएनएस)

दो भागों में रिलीज होगी वेत्रिमारन की बहुचर्चित विदुथलाई

ऐस निर्देशक वेत्रिमारन की उत्सुकता से प्रतीक्षित आगामी फिल्म, विदुथलाई, जिसमें सूरी मुख्य भूमिका में हैं और अभिनेता विजय सेतुपति वाथियार के रूप में हैं, दो भागों में रिलीज होंगी। निर्माताओं द्वारा इसकी घोषणा कर दी गई है।

दिलचस्प बात यह है कि फिल्म के दोनों हिस्सों - विदुथलाई -1 और विदुथलाई -2 को अभिनेता, निमार्ता और राजनेता उदयनिधि स्टालिन के प्रोडक्शन हाउस, रेड जाइंट मूवीज द्वारा प्रस्तुत किया जाना है। विदुथलाई-1 की शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है और पोस्ट-प्रोडक्शन का काम जोरों पर है। विदुथलाई-2 की शूटिंग खत्म होने में कुछ ही हिस्से बचे हैं, जो इस समय सिरुमलाई और कोडाईकनाल में हो रहा है। आरएस इंफोटेनमेंट के एलरेड कुमार द्वारा निर्मित, विदुथलाई फ्रैंचाइजी को भारी बजट में बनाया जा रहा है। फिल्म की भव्यता जबरदस्त चर्चा पैदा कर रही है। हाल ही में, फिल्म के लिए 10 करोड़ रुपये की लागत से एक ट्रेन और रेलवे पुल बनाया गया था। विदुथलाई के निर्माताओं का कहना है कि यह एक गहन कहानी है जिसे दर्शकों को आकर्षित करने के लिए उचित कहानी कहने की आवश्यकता है।

नेहा मलिक ने फिर बिखेरे हुस्न के जलवे

भोजपुरी एक्ट्रेस नेहा मलिक की बोल्डनेस के चर्चे इन दिनों सोशल मीडिया पर छाए हुए हैं. उन्होंने बेशक अपनी एक्टिंग या किसी प्रोजेक्ट के कारण खास पॉपुलैरिटी हासिल न की हो, लेकिन अपने लुक्स की वजह से वह हमेशा ही लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती हैं. अब फिर से नेहा का लेटेस्ट फोटोशूट तेजी से वायरल होने लगा है.

नेहा मलिक सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. अक्सर इंस्टाग्राम पर उनके सिजलिंग अवतार की झलक देखने को मिलती रहती है. ऐसे में एक्ट्रेस की फैन फॉलोइंग भी तेजी से बढ़ती जा रही हैं. अब लेटेस्ट फोटोज में नेहा को ब्लैक कलर के ऑफ शोल्डर शॉर्ट वनपीस में देखा जा रहा है. इसके साथ उन्होंने मैचिंग की ब्लैक कलर की ही हाई हील्स कैरी की है. नेहा ने अपने इस बोल्ड लुक को सटल मेकअप से कंप्लीट किया है. उन्होंने इस दौरान अपने बालों की पॉनीटेल बनाई है, साथ ही गले में फोर लेयर्ड मेटल की चेन पहनी हुई है. इस लुक में एक्ट्रेस काफी हॉट दिख रही हैं. उन्होंने इस फोटोशूट के दौरान फ्लोर पर बैठकर पोज दिए हैं. इन फोटोज में एक्ट्रेस का काफी हॉट अवतार देखने को मिला है. वैसे, नेहा के इंस्टाग्राम पेज पर नजर डालें तो वह अपनी लगभग हर पोस्ट में बोल्ड लुक में ही दिखाई देती हैं. हालांकि, उनके फैंस ने उन्हें हर रूप में ज्यादा पसंद किया है. जहां, लोगों के उनके हॉट अवतार को सराहा है, वहीं, देसी लिबास में भी नेहा कहर ढाती हैं.

चोर-पुलिस का खेल खेलते दिखे सैफ और ऋतिक

ऋतिक रोशन और सैफ अली खान की फिल्म विक्रम वेधा लंबे समय से चर्चा में है। कुछ दिन पहले फिल्म का टीजर जारी किया गया था जिसमें दोनों अभिनेताओं की झलक देखने को मिली थी। टीजर में दिखाया गया था कि फिल्म में ऋतिक एक गैंगस्टर के किरदार में नजर आएंगे। इसके बाद फिल्म को लेकर लोगों में उत्सुकता बढ़ गई थी। गुरुवार को फिल्म का ट्रेलर भी जारी कर दिया गया है।

ट्रेलर की शुरुआत सैफ और ऋतिक के आमना-सामना से होती है। क्या हर अच्छाई अच्छी होती है और हर बुराई बुरी होती है? फिल्म की कहानी दर्शकों से यही सवाल पूछ रही है। सफेद और काले के बीच स्लेटी की गुंजाइश पर आधारित है इस फिल्म की कहानी। ट्रेलर सैफ और ऋतिक के बीच चूहे-बिल्ली की दौड़, ऐक्शन सीन्स और प्रभावी डायलॉग से भरा हुआ है। फिल्म का बैकग्राउंड म्यूजिक ऑरिजिनल तमिल फिल्म का ही रखा गया है।

यह तमिल फिल्म विक्रम वेधा की रीमेक है जो 2017 में रिलीज हुई थी। इसमें अभिनेता विजय सेतुपति और आर माधवन मुख्य भूमिका में थे। माधवन ने विक्रम नाम के एक पुलिस अफसर का किरदार निभाया था, जबकि विजय सेतुपति ने वेधा नाम के ड्रग तस्कर का किरदार निभाया था। फिल्म विक्रम-बेताल की प्राचीन कहानी से प्रेरित है, जहां एक चतुर गैंगस्टर हर बार एक नई कहानी सुनाकर एक पुलिसवाले की पकड़ में आने से बच जाता है।

विक्रम वेधा के अलावा ऋतिक फिल्म फाइटर में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ दीपिका पादुकोण भी ऐक्शन अवतार में दिखेंगी। कृष फ्रैंचाइजी की अगली फिल्म कृष 4 की घोषणा हो चुकी है। इस फिल्म में ऋतिक मुख्य भूमिका में दिखेंगे। 2019 की उनकी फिल्म वॉर का सिक्वल भी अनाउंस हो चुका है। वहीं सैफ आदिपुरुष, गो गोवा गॉन 2 और एसेसिनेशन ऑफ होमी भाभा में नजर आएंगे।

इस फिल्म का निर्माण टी-सीरीज और रिलायंस एंटरटेनमेंट ने फ्इडे फिल्मवर्क्स और जियो स्टूडियोज के साथ मिलकर किया है। फिल्म का निर्देशन पुष्कर और गायत्री ने किया है। फिल्म में राधिका आप्टे फीमेल लीड में नजर आएंगी। यह 30 सितंबर को रिलीज होगी।(आरएनएस)

हैप्पी टीचर्स डे में दिखेंगी राधिका मदान और निमरत कौर

टीचर्स डे पर बच्चों से लेकर फिल्मी हस्तियां भी अपने शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हैं। इस मौके पर मैडॉक फिल्म्स ने अपनी नई फिल्म का ऐलान किया है जिसका नाम हैप्पी टीचर्स डे है। दिनेश विजान की इस प्रोडक्शन कंपनी ने एक वीडियो के जरिए फिल्म का ऐलान किया। इस फिल्म में अभिनेत्री निमरत कौर और राधिका मदान साथ नजर आएंगी।

मैडॉक फिल्म्स ने अपने यूट्यूब चैनल पर इस वीडियो को शेयर करते हुए बताया कि सोमवार से फिल्म की शूटिंग शुरू हो गई है। वीडियो से पता चलता है कि फिल्म शिक्षक के पेशे से जुड़ी है। वीडियो शुरू होते ही स्क्रीन पर आपसे एक सवाल पूछा जाता है, क्या टीचर की अपनी जिंदगी नहीं होती? इसके बाद बच्चों के शोरगुल की आवाज के साथ शिक्षकों के प्रति अभद्र बातों की चैट दिखाई जाती है। राधिका और निमरत स्टारर इस फिल्म का निर्देशन मिखिल मुसाले कर रहे हैं। मिखिल ने परिंदा जोशी के साथ मिलकर फिल्म की स्किप्ट और स्क्रीनप्ले लिखा है। फिल्म को दिनेश विजान प्रोड्यूस कर रहे हैं। यह फिल्म अगले साल शिक्षक दिवस के मौके पर आएगी।

फिल्ममेकर दिनेश निठारी किलिंग पर आधारित फिल्म बना रहे हैं। इस फिल्म का नाम सेक्टर 36 है। फिल्म में विक्रांत मैसी और दीपक डोबरियाल नजर आएंगे। लक्ष्मण उतेकर और दिनेश की मैडॉक फिल्म्स ने भी एक फिल्म के लिए हाथ मिलाया है, जिसमें विक्की कौशल और सारा अली खान दिखेंगे। दिनेश की वरुण धवन स्टारर भेड़िया जल्द दर्शकों के बीच आएगी। दिनेश एक रॉमकॉम बना रहे हैं जिसमें कृति सैनन और शाहिद कपूर लीड रोल में नजर आएंगे।

इससे पहले भी बॉलीवुड के कई सितारे शिक्षक के किरदार में नजर आ चुके हैं। फिल्म कुछ कुछ होता है में मिस ब्रिगैन्जा का का यादगार किरदार अर्चना पूरन सिंह ने निभाया था। तारे जमीन पर में आमिर खान के किरदार राम शंकर निकुंभ को काफी पसंद किया गया। फिल्म ब्लैक में अमिताभ बच्चन ने एक ऐसी बच्ची के शिक्षक का किरदार निभाया था जो सुन-बोल नहीं सकती। फिल्म हिचकी में रानी मुखर्जी टीचर के किरदार में नजर आई थीं। (आरएनएस)

चुनाव हार जाना गुनाह नहीं है

अजीत द्विवेदी

यह कांग्रेस का दुर्भाग्य है कि आज हर आदमी उसकी कमियां बता रहा है, सुधार कोई नहीं सुझा रहा है। यह भी दुर्भाग्य है कि लोग या तो कांग्रेस के संपूर्ण विरोध में खड़े हैं या संपूर्ण समर्थन में। कांग्रेस की स्थिति पर तार्किक विचार का स्पेस खत्म हो गया है। गुलाम नबी आजाद ने भी कांग्रेस छोड़ी तो पांच पन्नों की चिट्ठी लिख कर कांग्रेस की कमियां बताईं। उन्होंने कोई समाधान नहीं बताया, जबकि वे पांच दशक तक कांग्रेस से जुड़े रहे हैं और कांग्रेस के दो सबसे करिश्माई नेताओं- इंदिरा और राजीव गांधी के साथ काम किया है। इससे पहले भी कांग्रेस के जो नेता पार्टी छोड़ कर गए, उन्होंने पार्टी नेतृत्व के प्रति सिर्फ अपनी भड़ास निकाली और यह बताया कि उन्होंने पार्टी के लिए कितना कुछ किया है। बिना किसी अपवाद के सबने यह कहा कि पार्टी लगातार चुनाव हार रही है। लेकिन चुनाव हार जाना कोई गुनाह है, जैसे चुनाव जीत जाना ही राजनीति की सार्थकता नहीं है। इसलिए किसी पार्टी का चुनाव हारना उसको छोड़ने का पर्याप्त कारण नहीं हो सकता है।

हैरानी की बात है कि कांग्रेस के नेता पार्टी के चुनाव हारने की मिसाल देकर पार्टी छोड़ रहे हैं और मीडिया से लेकर सामान्य नागरिकों की चर्चाओं में भी इसको सही ठहराया जा रहा है। गुलाम नबी आजाद ने भी कहा कि पिछले आठ साल में कांग्रेस दो लोकसभा और 39 विधानसभा चुनाव हारी है। पार्टी लगातार चुनाव हार रही है तो क्या वे पार्टी छोड़ देंगे? उन्होंने अपने आसपास भी देखना जरूरी नहीं समझा कि कितनी पार्टियां लगातार चुनाव हार रही हैं फिर भी उनके नेता पार्टी नहीं छोड़ रहे हैं।

देश की कम्युनिस्ट पार्टियों ने सैकड़ों चुनाव हारे होंगे। 2004 के लोकसभा चुनाव में ऐतिहासिक प्रदर्शन करने के बाद लगातार उनकी सीटें घट रही हैं और एक एक करके पार्टी राज्यों की सत्ता से बाहर हो गई है। फिर भी कहीं यह सुनने को नहीं मिला कि उसके नेता पार्टी छोड़ रहे हैं। इक्का-दुक्का अपवाद हों तो वह अलग बात है। भारतीय जनसंघ और भाजपा लगातार चुनाव हारते रहे हैं। भाजपा का गठन 1980 में हुआ था और अगले लोकसभा चुनाव में वह सिर्फ दो सीटें जीत पाई थी। इसके बावजूद उसके नेता पार्टी छोड़ कर नहीं भाग रहे थे। वे चुनाव जीतने का रास्ता तलाश रहे थे।

अगर और मिसाल देखनी है तो ब्रिटेन की लेबर पार्टी को देख सकते हैं। लेबर पार्टी 2010 से विपक्ष में है। पिछल 12 साल से वह चुनाव हार रही है। उससे पहले 1997 से 2010 तक सरकार में रही थी लेकिन उससे पहले 1979 से 1997 तक पार्टी विपक्ष में रही। 1994 में टोनी ब्लेयर ने न्यू लेबर का नारा दिया और अपनी पार्टी के सिद्धांतों को समय के मुताबिक नया स्वरूप देकर जनता के बीच गए और लेबर पार्टी 1997 में सत्ता में आई। जब लेबर पार्टी 13 साल सत्ता में रही तब न कंजरवेटिव पार्टी के नेता चुनावी हार पर छाती पीट कर पार्टी छोड़ रहे थे और न अब जबकि लेबर पार्टी पिछले 12 साल से सत्ता से बाहर है तो उसके नेता छाती पीट कर पार्टी छोड़ रहे हैं। यह परिघटना सिर्फ 'दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र' की सबसे पुरानी पार्टी में ही देखने को मिलती है। पार्टी सत्ता से बाहर होती नहीं है कि नेता स्यापा करते हुए पार्टी छोड़ने लगते हैं। जाहिर है उनका पार्टी के सिद्धांतों, नीतियों या पार्टी के इतिहास से कोई लेना-देना नहीं होता है। उनका अपना हित सबसे ऊपर होता है और जब लगता है कि पार्टी या उसका मौजूदा नेतृत्व उनके हितों को पूरा करने में सक्षम नहीं है तो उन्हें पार्टी छोड़ने का फैसला करने में कोई समय नहीं लगता है।

गुलाम नबी आजाद भी उन्हीं नेताओं में से हैं, जिन्होंने निष्ठा और वैचारिक प्रतिबद्धता के ऊपर अपने निजी स्वार्थ को तरजीह दी। उन्होंने उस परिवार की तमाम कमियां बताईं, जिसकी परिक्रमा करके अपने जीवन की सारी उपलब्धियां हासिल की हैं। लेकिन पांच पन्नों की अपनी चिट्ठी में कोई वैचारिक सवाल नहीं उठाया। उन्होंने कांग्रेस के ऊपर वैचारिक विचलन या सिद्धांतों से समझौता करने का आरोप नहीं लगाया है।

उन्होंने यह भी नहीं बताया कि कांग्रेस अभी जो राजनीति कर रही है उसमें क्या कमी है? क्या कांग्रेस ने समाजवादी आर्थिक नीतियों, समरसता के सिद्धांत और धर्मनिरपेक्षता के विचार का त्याग किया है? क्या कांग्रेस ने अपने पारंपरिक मूल्यों के साथ कोई समझौता किया है? क्या राहुल गांधी केंद्र की जनविरोधी नीतियों का विरोध नहीं कर रहे हैं? क्या कांग्रेस पार्टी सांप्रदायिक और विभाजनकारी नीतियों के खिलाफ खड़ी नहीं है? उन्हें बताना चाहिए था कि इन मामलों में या इन नीतियों को लेकर वे कहां खड़े हैं! कांग्रेस ने तो बिलकिस बानो से बलात्कार के दोषियों की रिहाई का विरोध किया लेकिन खुद गुलाम नबी आजाद ने क्या किया?

हकीकत यह है कि आजाद की अपनी कोई वैचारिक प्रतिबद्धता नहीं है। उन्होंने कांग्रेस के अंदर की ऐसी समस्याएं बताई हैं, जिन्हें भारतीय राजनीति के परिप्रेक्ष्य में कोई समस्या नहीं माना जा सकता। कम्युनिस्ट पार्टियों को छोड़ दें तो बाकी सभी पार्टियों के अंदर फैसला करने का वहीं सिस्टम है, जो कांग्रेस में है और राजनीति करने का तरीका भी वहीं है, जैसे कांग्रेस कर रही है। भाजपा में भी फैसले राष्ट्रीय कार्यकारिणी में या संसदीय बोर्ड में नहीं होते हैं।

वहां भी फैसला अभी नरेंद्र मोदी और अमित शाह करते हैं और पहले अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी करते थे। भाजपा भी व्यक्तियों के चेहरे और उनके निजी करिश्मे पर ही चुनाव लड़ती है। भले आरएसएस के स्वंयसेवक जमीनी स्तर पर काम करते हों लेकिन 1980 में अटल बिहारी वाजपेयी के चेहरे को आगे करके राजनीति करने और चुनाव लड़ने की जो परंपरा शुरू हुई वह आज तक जारी है। इसलिए अगर व्यक्तिवाद कोई बुराई है तो वह सिर्फ कांग्रेस पार्टी की नहीं है, बल्कि सभी पार्टियों की है।

सो, अच्छा होता कि गुलाम नबी आजाद पार्टी में रह कर नेहरू-गांधी परिवार के नेतृत्व को चुनौती देते। उनके एक साथी नेता मनीष तिवारी ने कहा है कि वे कांग्रेस में हिस्सेदार हैं, किराएदार नहीं हैं। अगर आजाद भी अपने को हिस्सेदार मानते, शरद पवार भी अपने को हिस्सेदार मानते, ममता बनर्जी भी अपने को हिस्सेदारी मानतीं तो ये सब लोग कांग्रेस छोड़ने की बजाय पार्टी के अंदर रह कर इसकी कमियों को दूर करने का प्रयास करते। नेहरू-गांधी परिवार के वर्चस्व को चुनौती देते। लेकिन सब ने एक-एक करके अलग होने का रास्ता चुना। सब यह कहते हुए अलग हुए कि कांग्रेस बरबाद हो रही है।

'बबली बाउंसर' में अभिनय करने के लिए तैयार तमन्ना भाटिया

अभिनेत्री तमन्ना भाटिया आगामी कॉमिक-ड्रामा 'बबली बाउंसर' में अभिनय करने के लिए तैयार हैं। फिल्म के मोशन पोस्टर का अनावरण किया गया। कॉमेडी-ड्रामा एक असामान्य कहानी से अपनी ताकत खींचती है और अभिनेत्री फिल्म को दर्शकों के सामने लाने के लिए रोमांचित है जहां उन्होंने अपने करियर का सबसे विविध किरदार निभाया है।

कॉमेडी-ड्रामा एक युवा महिला बाउंसर की कहानी का अनुसरण करती है क्योंकि यह आमतौर पर ऐसे पेशे की विभिन्न परतों को चित्रित करता है जो पुरुषों द्वारा अपनाये जाते हैं।

पोस्टर रिलीज पर अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, अभिनेत्री ने टिप्पणी की, मैं दर्शकों को इस तरह के एक असामान्य चरित्र नाटक देने के लिए बिल्कुल रोमांचित हूं। फिल्म की शूटिंग एक उल्लसित अनुभव रही है और 'बबली बाउंसर' एक ऐसा चरित्र है जिसे मैंने पहले कभी नहीं निभाया है।

मधुर भंडारकर द्वारा निर्देशित फिल्म में अभिषेक बजाज साहिल वैद, सौरभ शुक्ला और सुप्रिया शुक्ला भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। इसका प्रीमियर डिज्नी प्लस हॉटस्टार पर 23 सितंबर को होगा। (आरएनएस)

ट्रंप, पुतिन, शी, राजपक्षे जैसों से वैश्विक राहुकाल!

हरिशंकर व्यास

मुझे लगता है पूरी दुनिया बुरे राहु काल में फंसी है। हर तरफ मूर्ख, अकड़ू और कट्टर नेताओं को सत्ता मिली हुई है या मिल रही है। न डेमोक्रेटिक देश अपवाद हैं और न तानाशाह देश। नौ बड़े अमीर देशों पर गौर करें। अमेरिका में राष्ट्रपति बाइडेन के आगे कट्टरपंथी गोरों के बल पर डोनाल्ड ट्रंप भारी चुनौती हैं। बाइडेन ने गुरूवार को कहा कि अमेरिकी लोकतंत्र 'मेगा फोर्सेस' से खतरे में है। मतलब डोनाल्ड ट्रंप के सपोर्टरों का 'मेक अमेरिका ग्रेट अगेन' का हल्ला अमेरिकी लोकतंत्र के लिए खतरा है। ये लोग देश को पीछे ले जाना चाहते हैं। सचमुच में डोनाल्ड ट्रंप ने रिपब्लिकन पार्टी पर कब्जा बना कर उस पार्टी को उग्रवादी और सेमी फासिस्ट बनाते हुए हैं।

ऐसा यूरोप में भी होता हुआ है। मैक्रों वापिस राष्ट्रपति बने लेकिन संसद में कट्टर व एक्स्ट्रिम सांसदों का बोलबाला है। मेरा मानना है यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद यूरोपीय संघ ने जिस एकजुटता से रूस के खिलाफ गोलबंदी की है तो वह यूरोप में टकराव को स्थायी बनाना है। ब्रिटेन में लिज ट्रस प्रधानमंत्री बनीं तो उनसे वैसी ही अनिश्चितता और परेशानी बनेगी, जैसे जर्मनी में ओलाफ स्कोल्ज की कमान में है। स्कोल्ज उदार हैं, सोशल डेमोक्रेट हैं लेकिन हड़बड़ाए हुए हैं। तभी सर्दियों में जर्मनी सर्वाधिक बुरी दशा में होगा।

अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस के बाद इटली राजनीतिक अस्थिरताओं का मारा है तो जापान और कनाडा में सब ठीक होते हुए भी दोनों देश अमेरिका और यूरोप की दशा से दबावों में हैं।

इन सात के बाद आर्थिकी के नाते चीन और रूस पर गौर करें तो एक तरफ पुतिन का निरंकुश, कट्टर और अकड़ू मिजाज का राज हैं। वहीं चीन के राष्ट्रपति शी जीनफिंग का रूख न केवल राक्षी है बल्कि आत्मघाती भी है। कोविड और विकास रेट तथा ताइवान को लेकर राष्ट्रपति शी जिनफिंग ने जैसा कट्टर और अकड़ू रवैया अख्तियार किया है उससे चीन का अपने आप बरबादी का रास्ता बनता हुआ है।

फिर आए भारत, ब्राजील और दक्षिण अफ्रीका पर। क्या कहूं? प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, राष्ट्रपति बोल्सोनारो और राष्ट्रपति रामफोसा पर जितना बताया जाए कम होगा। आप खुद ही समझें। जो हो, आने वाले सालों में देशों की आर्थिकियों, मंदी, बेरोजगारी, लड़ाई और देशों की सेहत तथा उनके बिगड़ने-बिखरने में वह कुछ होना है, जिसकी हम और आप कल्पना ही कर सकते हैं।

भारत ब्रिटेन से बड़ा सेठ लेकिन...

वेद प्रताप वैदिक

अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की ताजा रपट पर भारत का ध्यान सबसे ज्यादा जाएगा, क्योंकि उसके अनुसार भारत अब ब्रिटेन से बड़ा सेठ बन गया है। इस वर्ष ब्रिटेन की अर्थव्यवस्था 816 अरब डालर की रही, जबकि भारत की 854.7 डालर की हो गई। याने ब्रिटेन से हम लगभग 38 अरब डालर आगे निकल गए। लेकिन हम यह न भूलें कि ब्रिटेन की आबादी मुश्किल से 7 करोड़ है और भारत की आबादी उससे 20 गुना ज्यादा है याने करीब 140 करोड़!

हमारी अर्थ-व्यवस्था ब्रिटेन से बड़ी जरुर हो गई है और इसका हमें गर्व भी होना चाहिए लेकिन भारत के आम आदमी को क्या इतनी सुविधाएं उपलब्ध हैं, जितनी ब्रिटिश लोगों को है। वहां औसत आदमी की वार्षिक आमदनी 47000 डालर है और उसके मुकाबले भारत में वह सिर्फ 2500 डालर है। यह ठीक है कि हमारे देश के कुछ मुट्ठीभर लोग ऐसे हैं, जो ब्रिटेन के औसत अमीरों से भी ज्यादा अमीर हैं लेकिन 100 करोड़ से भी ज्यादा लोगों की हालत कैसी है? क्या उनको शिक्षा, चिकित्सा, भोजन, निवास और रोजगार आदि पर्याप्त मात्रा में हम दे पाते हैं?

नहीं, उनकी फिक्र हमारे नेताओं को बस तभी होती है जब वोट का त्योहार याने चुनाव सामने आता है। यह ठीक है कि ब्रिटेन और यूरोप के कई राष्ट्र एशिया और अफ्रीका के कई देशों का बरसों खून चूसते रहे और अपने उपनिवेशों के दम पर मालामाल हो गए लेकिन दुनिया के कई देश ऐसे हैं, जो 70-75 साल पहले तक भारत की तुलना में बहुत पिछड़े हुए थे लेकिन संपन्नता के मामले में भारत से बहुत आगे निकले हुए हैं। जैसे चीन, सिंगापुर, मलेशिया, कोरिया आदि! इन देशों ने किंही उपनिवेशों का खून नहीं चूसा है। ये अपने दम पर आगे बढ़े हैं।

ये ठीक है कि इन देशों में भारत की तरह खुली लोकतांत्रिक व्यवस्था नहीं पनप पाई लेकिन क्या यह कम बड़ी बात है कि वहां लोग भूखे नहीं मरते, दवा के अभाव में दम नहीं तोड़ते, प्राय: सभी बच्चे स्कूल जाते हैं। इन देशों में भारत की तरह मुट्ठीभर बेहद अमीर लोग भी रहते हैं लेकिन गरीबी और अमीरी की जैसी खाई भारत में खिंची हुई है, वैसी वहां नहीं है। इन पूर्वी देशों में चीन के अलावा मैंने भूखों और भिखारियों की भीड़ कहीं नहीं देखी।

चीन में भी गैर-हान इलाकों में गरीब, अशक्त, अनपढ़ और भिखारियों को अभी देखा जा सकता है लेकिन चीन के कई शहर और गांव अमेरिका के शहरों और गांवों से भी आगे हैं। हम भारत को भी कई मामलों में दुनिया के ज्यादातर देशों से आगे गिना सकते हैं। जैसे इंटरनेट के उपभोक्ताओं की संख्या, नए काम-धंधे शुरु करने में, डिजिटल लेन-देन में, परमाणु शस्त्रों और विमानवाहक पोत के निर्माण आदि में भारत तीसरी दुनिया के देशों में चीन को छोड़ दें तो सबसे आगे है।

भारत यों तो अर्थ-व्यवस्था के मामले में ब्रिटेन से आगे निकल गया है लेकिन दिमागी तौर पर अभी भी वह ब्रिटेन का उपनिवेश ही बना हुआ है। भारत पर आज भी ब्रिटिश संस्कृति हावी है। उससे पिंड छुड़ानेवाला गांधी और लोहिया के बाद कोई नेता देश में अब तक हुआ नहीं। यदि भारत को कोई सांस्कृतिक और बौद्धिक आजादी दिला सके तो भारत की अर्थव्यवस्था ब्रिटेन से 20 गुना बड़ी हो सकती है।

कायस्थ महासभा ने भगवान चन्द्रगुप्त के अपमान पर एसएसपी को दी तहरीर

संवाददाता

देहरादून। थैंक गॉड फिल्म में भगवान चन्द्रगुप्त के अपमान पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ने एसएसपी को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की।

आज यहां अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के द्वारा एसएसपी कार्यालय पहुंच एसएसपी दलीप सिंह कुंवर को तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की। तहरीर में उन्होनें कहाँ कि सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर 'थैंक गॉड ' फिल्म के प्रोमो में भगवान चित्रगुप्त जी के अपमान किया जा रहा है। जिस पर एसएसपी दिलीप सिंह कुंवर ने तत्काल एफआइआर के लिए सम्बंधित थाने को आदेशित किया। उन्होंने कहा कि हिंदू समाज के अराध्य श्री चित्रगुप्त भगवान जी का "थैंक गॉड '' फिल्म के प्रोमो में घोर अपमान किया गया है। पत्र में कहाँ गया है की प्रोमो में फिल्म के अभिनेता अजय देवगन द्वारा भगवान चित्रगुप्त जी को अपमानित किया गया तथा उनका अश्लील चित्रण किया गया है। जिससे हिंदू समाज की भावनाएं आहत हुई है। तहरीर में माँग की गई है कि फिल्म के मुख्य कलाकार अजय देवगन, सिद्धार्थ मल्होत्रा, अभिनेत्री रकुल प्रीत के साथ साथ फिल्म के निर्देशक इंदर कुमार, प्रोडेक्शन कंपनी टी-सीरीज तथा फिल्म के निर्माता आनंद पंडित, भूषण कुमार, अशोक ठकेरिया, कृष्ण कुमार तथा सुनील खेत्रपाल के विरूद्ध भारतीय दण्ड विधान की धारा 120बी, 153क, 294, 295क, तथा 298 सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम में मुकदमा दर्ज कर कठोर कार्यवाही की जाए। तहरीर प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव की ओर से दी गई। इस दौरान राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, प्रदेश अध्यक्ष संजय श्रीवास्तव के साथ वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक मोहन श्रीवास्तव, प्रदेश उपाध्यक्ष रवि सरन, प्रदेश महासचिव सर्वेश माथुर, प्रदेश कोषाध्यक्ष हितेंद्र सक्सेना, प्रदेश मीडिया प्रभारी व प्रवक्ता विक्रम श्रीवास्तव, प्रदेश महिला अध्यक्ष अनिता सक्सेना, जिला अध्यक्ष जितेंद्र श्रीवास्तव, महासचिव अभय श्रीवास्तव आदि शामिल थे।

कैंसिल चेकों उपयोग करने पर बैंक एजेंट के खिलाफ मुकदमा

संवाददाता

देहरादून। कैंसिल चेकों को उपयोग में लाने पर पुलिस ने बैंक एजेंट के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रॉयल आपर्टमेंट निवासी संदीप राणा ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि बैंक के एजेंट के द्वारा उसके कैंसिल चेकों को उपयोग में लाकर उसके खाते से पैसे निकाले गये हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

कांग्रेस महासचिव सुनील चमोली के निधन पर शोक व्यक्त

संवाददाता

देहरादून। कांग्रेसी नेता सुनील चमोली के निधन पर कांग्रेस प्रवक्ता धीरेन्द्र प्रताप ने शोक व्यक्त किया।

आज यहां उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष और प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने कांग्रेस सोशल मीडिया विभाग के प्रदेश महासचिव और चमोली जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री सुनील चमोली के असामयिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। सुनील चमोली के एक सड़क दुर्घटना में निधन पर शोक व्यक्त करते हुए धीरेंद्र पार्टी ने कहा कि वे बहुत ही निष्ठावान और उदीयमान नेता थे। कांग्रेस पार्टी ने उनके निधन से अपना बहुत ही सक्रिय नेता खो दिया है। जिससे चमोली जनपद को विशेष आशाएं थी।

भारत की कलाएं, उनका सौंदर्य व ज्ञान अलौकिकःराज्यपाल

संवाददाता

देहरादून। राज्यपाल लेफ्टिनेट जनरल (से.नि) गुरमीत सिंह ने कहा कि भारत की कलाएं, उनका सौंदर्य एवं उनका ज्ञान अलौकिक है। यह कलाएं हमें हमारी अंतरात्मा की गहराई तक एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करती हैं।

आज यहां राजभवन ऑडिटोरियम में स्पिक मैके द्वारा मणिपुरी शास्त्रीय नृत्य कार्यक्रम आयोजित किया गया। स्पिक मैके (सोसाइटी फॉर द प्रमोशन ऑफ इंडियन क्लासिकल म्यूजिक एंड कल्चर अमंग यूथ) के कलाकारों ने राधा-कृष्ण के प्रेम प्रसंग पर आधारित बेहतरीन मणिपुरी संगीत और नृत्य प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (से नि) ने कहा की भारतीय शास्त्रीय धरोहर में संगीत, नृत्य, नाटक, स्थापत्य और हर एक शास्त्रीय कला में समृद्ध विरासत देखने को मिलती है। भारत की कलाएं, उनका सौंदर्य एवं उनका ज्ञान अलौकिक है। यह कलाएं हमें हमारी अंतरात्मा की गहराई तक एक बेहतर इंसान बनने के लिए प्रेरित करती हैं। भारत की इन कलाओं के साथ युवाओं को प्रेरित करने के लिए ऐसे प्रयास जारी रखने होंगे। राज्यपाल ने कहा कि स्पिक मैके ने सांस्कृतिक विरासत को लोगों के सामने लाने की जिम्मेदारी हाथों में ले रखी है जो सराहनीय है। उन्होंने कहा कि स्पिक मैके युवाओं के मध्य भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। इस अवसर पर प्रथम महिला श्रीमती गुरमीत कौर, चेयरपर्सन स्पिक मैके रूपी महिंद्रु, समन्वयक अभिषेक अग्रवाल, सचिव विद्या वासन, राजभवन के अधिकारी एवं कर्मचारियों सहित विभिन्न स्कूलों के बच्चे उपस्थित रहे।

घर से दो मोबाइल चोरी

संवाददाता

देहरादून। घर से दो मोबाइल चोरी होने के मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पशुलोक कालोनी निवासी सोनू ने ऋषिकेश कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह बाजार गया था जब वह वापस आया तो उसने देखा कि घर में रखे दो मोबाइल फोन गायब थे। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

पांच जुआरी गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। पुलिस ने सार्वजनिक स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से हजारों की नगदी व ताश के पत्ते बरामद कर लिये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार डोईवाला कोतवाली पुलिस ने पुरानी सब्जी मण्डी लालतप्पड से पांच लोगों को जुआ खेलते हुए गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में उन्होंने अपने नाम अनिल शर्मा पुत्र बनवारी शर्मा निवासी मुरादाबाद, लोकेश कुमार पुत्र हेतराम निवासी बरेली, हीरालाल पुत्र मेकसू निवासी बरेली, राजकुमार पुत्र लालूसिंह निवासी बदायूं व प्रेमचंद पुत्र फगुनी निवासी बदायूं बताया। पुलिस ने उनके कब्जे से पांच हजार रूपये नगद व ताश के पत्ते बरामद कर लिये। पुलिस ने सभी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

लघु व्यापारियों ने मंडी गेट पर किया धरना प्रदर्शन

संवाददाता

हरिद्वार। पीडब्लूडी के नोटिस दिये जाने व पुलिस द्वारा चालान करने से आक्रोशित लघु व्यापारियों ने ज्वालापुर मंडी गेट पर धरना प्रदर्शन कर विरोध जताया।

आज यहां न्यू मंडी स्थल सराय रोड के फुटपाथ के कारोबारी रेडी पटरी के (स्ट्रीट वेंडर्स) लघु व्यापारियों ने ज्वालापुर मंडी के गेट पर भारी तादाद में इकट्ठा होकर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में पीडब्ल्यूडी विभाग द्वारा नोटिस दिए जाने व पुलिस प्रशासन द्वारा उत्पीड़न व शोषण के खिलाफ जमकर नारेबाजी कर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, शहरी विकास गरीबी रोजगार मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल को संयुक्त रूप से ईमेल के माध्यम से पत्र भेजकर न्यू ज्वालापुर मंडी के आसपास फुटकर फ्रूट सब्जी के लघु व्यापारियों को नगर निगम की निगरानी में हाथ ठेली बाजार बनाकर वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को प्रमुखता से उठाया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष पूर्व मंडी अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड शासन द्वारा राज्य फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार असंगठित क्षेत्र के रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को मंडी के आसपास चिन्हित कर अन्य वेंडिंग जोन की तर्ज पर ही वेंडिंग जोन के रूप में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना न्याय पूर्ण होगा। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशन में राज्य के सभी नगर निगम के अधिकारी कर्मचारी कार्य कर रहे हैं वही पीडब्ल्यूडी, पुलिस प्रशासन को उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली विस्तृत जानकारी ना होने के कारण रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को अतिक्रमण कारी मानकर नोटिस व चालान किए जा रहे हैं जोकि केंद्र और राज्य सरकार की स्ट्रीट वेंडर्स योजना का घोर उल्लंघन है। उन्होंने चेतावनी दी यदि शीघ्र ही रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों का शोषण व उत्पीड़न नहीं रुका तो संबंधित अधिकारियों के घेराव किए जाएंगे। प्रदर्शनकारियों में मनोज कुमार मंडल, तस्लीम अहमद, धर्मपाल कश्यप, जय भगवान, विजेंद्र सिंह, अनवर सोहेल, शमशेर आलम, जितेंद्र सिंह, अमीर अहमद, अफजाल, मंदसौर, राहुल, सोनू रावत, ओमपाल सिंह, नसीम, राजपाल सिंह, नम्रता सरकार, रजनी कश्यप, सावित्री देवी आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

कोरोना से डरे नहीं
सतर्क रहें, सुरक्षित रहें

एक नजर

दो सौ किलो सोने से मढ़ा जाएगा केदार बाबा का गर्भ गृह

संवाददता

देहरादून। महाराष्ट्र के एक हीरा व्यापारी ने केदारनाथ धाम के गर्भ गृह को सोने से मढ़ने की पेशकश की है।

हीरा व्यापारी द्वारा केदारनाथ मंदिर के अंदरूनी हिस्से में लगी चांदी की प्लेटों को हटाकर सोने की चादर से मढ़ने की पेशकश की है। व्यापारी के अनुमान के अनुसार इस पूरे काम में 200 किलो सोना लगेगा जिसकी कीमत 100 करोड़ आंकी गई है। हीरा व्यापारी की इस पेशकश को अगर स्वीकार कर लिया जाता है तो काशी विश्वनाथ की तरह बाबा केदार के गर्भ गृह की आभा भी आने वाले समय में स्वर्णिम दिखाई देगी।

❑महाराष्ट्र के हीरा व्यापारी की पेशकश

ट्रैक्टर-ट्रक-बस की आपस में जोरदार टक्कर, 4 की मौत, 35 घायल

सीतापुर। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में ट्रैक्टर और बस की टक्कर में 4 लोगों की मृत्यु हो गई जबकि 35 लोग घायल हो गए हैं। बताया जा रहा है कि कुछ लोग ट्रैक्टर ट्रॉली में बैठकर बाराबंकी जा रहे थे। रास्ते में एक मोड़ पर ट्रैक्टर ट्रॉली की सामने से आ रही बस से टक्कर हो गई। वहीं बाद में पीछे से आ रही ट्रक ने भी ट्रॉली को टक्कर मार दी। सीतापुर के एएसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि 4 की मौके पर मृत्यु हुई। वहीं 4 गंभीर रूप से घायल हैं। कुल 30-35 लोग घायल हैं। पुलिस अधिकारी ने बताया कि चार घायलों की हालत गंभीर है, जिन्हें उपचार के लिए लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है। अपर पुलिशाहजहांपुर के रोजा क्षेत्र के 35 लोग एक ट्रैक्टर ट्रॉली पर सवार होकर बाराबंकी के देवा शरीफ तीर्थस्थल पर मुंडन संस्कार के लिए जा रहे थे। नरेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार, जब ये लोग सिधौली शहर पहुंचे तो तेज बारिश हो रही थी और तभी एक ट्रक ने उन्हें आगे से, जबकि दूसरे ने पीछे से टक्कर मार दी। उन्होंने बताया कि हादसे में चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अन्य सवारियों को गंभीर चोटें आई हैं। गंभीर रूप से घायल चार लोगों को लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया है।

पिछले 24 घंटे में देश में कोविड-19 के 6,422 नए केस दर्ज हुए

नई दिल्ली । भारत में कोरोना वायरस की रफ्तार लगातार धीमी हो रही है, हालांकि खतरा पूरी टला नहीं है। कोरोना संक्रमण के कम होते मामलों के बीच वायरस से बचाव रखना सभी की जिम्मेदारी है। पिछले 24 घंटे में देश में कोविड-19 के 6,422 नए केस दर्ज हुए है। जो बीते कल के मुकाबले 1314 ज्यादा हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना वायरस के 6,422 नए मामले सामने आने के बाद अब तक महामारी की चपेट में 44,516,479 लोग आ चुके हैं। वहीं इस दौरान 5,748 मरीज ठीक हुए हैं, जिसके बाद कोरोना संक्रमण से ठीक होने वाले लोगों के आंकड़े में बढ़ोतरी हुई है। देश में मौजूदा एक्टिव केस की संख्या 46,389 है। गौरतलब है कि भारत में 7 अगस्त 2020 को कोरोना वायरस के मामलों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और 5 सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी।

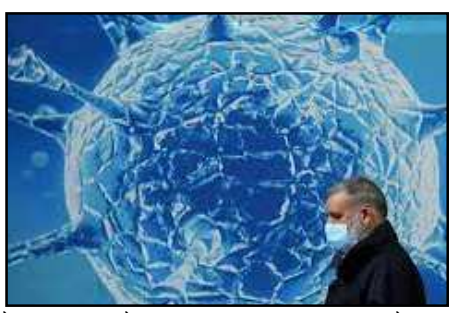

नोएडा के स्कूल में 4 साल की बच्ची से डिजिटल रेप

विशेष संवाददाता

नोएडा/देहरादून। अपनी मासूम बच्चियों को दरिंदों से बचाना है तो सावधान रहें और उनकी सुरक्षा का जिम्मा खुद उठाएं क्योंकि उनके साथ अपने घर से लेकर स्कूल तक कहीं भी दरिंदगी हो सकती है। वह घर, रिश्तेदारी, स्कूल व पड़ोस से लेकर स्कूल वैन व बसों तक में सुरक्षित नहीं है।

नोएडा के सेक्टर 37 में एक निजी स्कूल में 4 साल की मासूम बच्ची के साथ शौचालय में हुई डिजिटल रेप की वारदात समाज को सतर्क करने वाली है। जानकारी के अनुसार घटना बीते 7 सितंबर की है जब यह बच्ची अपने स्कूल गई थी। स्कूल से घर लौटने पर बच्ची ने अपने पूरे शरीर में खुजली होने की शिकायत अपनी मां से की तो मां ने उसके शरीर पर टेलकम पाउडर पोत दिया। इस दौरान मां को बच्ची के शरीर पर कुछ जख्म के निशान दिखे तो वह उसे निकट के डॉक्टर के पास लेकर पहुंची। जहां डॉक्टर द्वारा बच्ची से की गई बातचीत में पता चला कि स्कूल के वॉशरूम में किसी ने उसके साथ छेड़छाड़ की थी। बच्ची की शिकायत पर मां सेक्टर 29 के थाने पहुंची और बच्ची के साथ डिजिटल रेप का केस दर्ज कराया। पुलिस का कहना है कि वह जल्द ही जांच कर आरोपी तक पहुंचेगी। स्कूल के सीसीटीवी कैमरे भी पुलिस खंगाल रही है।

❑मां-बाप रहें सतर्क, बच्चों की सुरक्षा की जिम्मेवारी खुद उठाए

समाज में आप के आस पास ऐसा कोई मानसिक विकृति का शिकार व्यक्ति हो सकता है इसलिए ऐसी घटनाएं समाज को सतर्क करती हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम अपनी मासूम बच्चियों की सुरक्षा को लेकर खुद उपाय करें। अभी पीछे स्कूल वैन और बस कंडक्टरों के द्वारा भी मासूम बच्चियों से छेड़छाड़ के कई मामले सामने आए थे। वह चाहे स्कूल वैन के ड्राइवर कंडक्टर हों या फिर पास के अंकल या आपके घर में आने जाने वाले रिश्तेदार व मित्र किसी पर भी आप विश्वास नहीं कर सकते हैं। अपने मासूम बच्चों को उनके पास अकेला कदापि नहीं छोड़े। वही अपने बच्चों को बेड और गुड टच के बारे में भी बताएं। अगर उनके किसी भी अंग के साथ कोई छेड़े तो वह चिल्लाए उसका विरोध करें और हर छोटी सी छोटी बात मां को बताएं। क्योंकि सतर्कता में ही आपके बच्चों की सुरक्षा है।

उपाध्याय ने दिये जीर्ण-शीर्ण विद्यालय भवनों के सुधरात्मक कदम उठाने के निर्देश

हमारे संवाददाता

टिहरी। किशोर उपाध्याय ने टिहरी विधान सभा के जीर्ण-शीर्ण व खतरनाक विद्यालय भवनों के सम्बन्ध में अविलम्ब सुधरात्मक कदम उठाने के निर्देश दिये हैं। उपाध्याय ने कहा कि वह तुंगोली विद्यालय में एक कार्यक्रम में गये थे।

विद्यालय जीर्ण-शीर्ण अवस्था में है और ऊपर से हैवी इलेक्ट्रिक लाईन भी है। उन्होंने डीईओ व अन्य शिक्षा विभाग के अधिकारियों से अविलम्ब खतरनाक स्थिति व जीर्ण-शीर्ण विद्यालय भवनों की स्थिति और सुधारात्मक कदम उठाने हेतु कहा है साथ ही आम जन से भी अपील की है कि यदि आपके संज्ञान में कोई इस तरह के विद्यालय भवन हों तो या तो सीधे मुझे या सीईओ (94129 47944)को सूचित करें, जिससे अग्रेत्तर कार्रवाई की जा सके।

महिला से मारपीट छेडछाड में चार नामजद

संवाददाता

देहरादून। झोपडी में घुसकर महिला के साथ मारपीट व छेडछाड के मामले में पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार शीशमबाडा में झुग्गी में रहने वाले व्यक्ति ने सेलाकुई थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि सिंहनीवाला सहसपुर निवासी मनीष राणा, काकू, लक्की व बॉबी उसकी झोपडी में घुस गये और उसकी पत्नी के साथ मारपीट कर उसके साथ छेडछाड करने लगे। उसकी पत्नी का शोर सुनकर जब आसपास के लोग वहां पर पहुंचे तो चारों वहां से भाग गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

सीबीआई की कार्यवाही: 25 हजार रुपये की रिश्वत लेते कैण्ट बोर्ड के बाबू सहित दो गिरफ्तार

संवाददाता

देहरादून। सीबीआई ने म्यूटेशन के नाम पर 25 हजार रूपये की रिश्वत लेते कैण्ट बोर्ड के बाबू व कार्यालय अधीक्षक को गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार स्मिथ नगर निवासी वेद गुप्ता ने सीबीआई कार्यालय में प्रार्थना पत्र देते हुए बताया कि उसने अपने मकान का म्यूटेशन कराने के लिए कैण्ट बोर्ड में प्रार्थना पत्र दिया है। लेकिन कैण्ट बोर्ड का बाबू रमन कुमार गुप्ता उससे म्यूटेशन कराने के नाम पर 25 हजार रूपये की रिश्वत मांग रहा है। जिसके बाद सीबीआई ने मामले की जांच करायी तो शिकायत को सही पाया। जिसके बाद आज सीबीआई

अधिकारियों के कहने पर वेद गुप्ता 25 हजार रूपये लेकर कैण्ट बोर्ड कार्यालय पहुंचा जहां पर उसने बाबू रमन कुमार अग्रवाल को रिश्वत लेते हुए रंगेहाथों गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में रमन कुमार अग्रवाल ने बताया कि उसने कार्यालय अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार के कहने पर रिश्वत मांगी थी। जिसके बाद सीबीआई ने कार्यालय अधीक्षक शैलेन्द्र कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया है।

एक्टिवा की चपेट में आकर राहगीर की मौत

संवाददाता

देहरादून। एक्टिवा की चपेट में आकर पैदल चल रहे व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। प्राप्त जानकारी के अनुसार किशननगर एन्क्लेव निवासी संजीव कुमार ने कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिताजी ओमप्रकाश पैदल चकराता रोड पर टैगोर विला के पास जा रहे थे तभी एक अज्ञात एक्टिवा सवार ने तेजी व लापरवाही से एक्टिवा चलाते हुए उसके पिता को टक्कर मार दी जिससे उनका सिर डिवाइडर से टकरा गया और वह घायल हो गये। जिनको आसपास के लोगों ने दून चिकित्सालय में भर्ती कराया जहां पर उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गयी।

पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

बच्चे की मौत ने खोली...

▶▶ पृष्ठ 1 का शेष

स्कूलों के आधुनिकीकरण में कीर्तिमान बनाए हैं जिसे लेकर भाजपा के नेता सौ सवाल उठाते हैं लेकिन उन्हें भाजपा शासित उत्तराखंड जैसे राज्य के स्कूलों की स्थिति क्यों दिखाई नहीं देती यह हैरान करने वाली बात है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।